...के परस्पर विरोधी वचन

श्री पण्डित रामचन्द्र जी देहलवी, आर्योपदेशक

|| ओ३म् ||
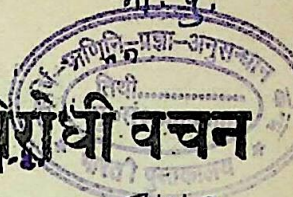
इंजील के परस्पर विरोधी वचन

आध्यात्मिक सिद्धान्त

१. परमेश्वर अपने कार्यों से सन्तुष्ट है

और खुदा ने सब पर जो उसने बनाया था नजर की और देखा कि बहुत अच्छा है (पैदाइश* १ । ३१ पृ० ६) :

परमेश्वर अपने कार्यों से असन्तुष्ट है

तब खुदावन्द जमीन पर इन्सान के पैदा करने से पछताया और निहायत दिलगीर हुआ (पैदाइश ६।६ पृ० ११)

२. परमात्मा चुने हुए मन्दिरों में निवास करता है

तब खुदावन्द रात के वक्त सुलेमान पर जाहिर हुआ और उसने कहा कि मैंने तेरी दुआ सुनी और इस मकान को अपने वास्ते चुन लिया है कि वह कुरबानगाह होवे...........क्योंकि मैंने इस घर को पसन्द किया और मुकद्दस ठहराया कि उसमें मेरा नाम अबद तक रहे और मेरी आंखें और मेरा दिल हर वक्त उस पर ठहरे (२ तवारीख ७।१२-६ पृ० ५५६ व ५५७)

परमात्मा मन्दिरों में नहीं रहता

लेकिन बारी तआला हाथ के बनाए हुए घरों में नहीं रहता (आमाल ७।४८ पृ० १८०)

३. ईश्वर प्रकाश में रहता है

और वह उस नूर में रहता है जिस तक किसी की गुजर नहीं हो सकती (१ तिमुथियस ६।१६ पृ० ३०६)

---

* अध्याय १ आयत ३१ है इसी प्रकार सर्वत्र समझना चाहिए ।

ईश्वर अन्धकार में रहता है

खुदावन्द ने फ़र्माया था कि मैं घटा की तारीकी में रहूंगा
(१ सलातीन ८।१२ पृ० ४४१)

उसने तारीकी को अपना पर्दा किया (ज़बूर १८, ११,)
बदलिया और काली घटाएं उसके आस पास है।
(ज़बूर ९७।२ पृ० ७३३)

४. परमात्मा को देखा व सुना जा सकता है

और फिर अपनी हथेली उठाऊंगा और तू मेरा पीछा देखेगा
(खुरूज ३३। २३ पृ० ११६)

और खुदावन्द ने मूसा से रूबरू हम क़लाम हुआ जिस तरह कोई अपने दोस्त से क़लाम करता है।
(खुरूज ३३।११ पृ० ११६)

तब खुदावन्द खुदा ने आदम को पुकारा और उससे कहा कि तू कहां है ……… वह बोला कि मैंने बाग़ में तेरी आवाज़ सुनी और डरा (पैदाइश ३।६-१०)

और कहा कि मैंने खुदा को रूबरू देखा और मेरी जान बच रही है (पैदाइश ३२।३० पृ० ४६)

जिस वर्ष कि उजिया बादशाह मर गया मैंने खुदावन्द को एक बड़ी बुलन्दी पर उनके तख्त के ऊपर बैठे देखा।
(यसायाह ६।१, पृ०)

तब मूसा और हरून और नदब और एबिहू और सत्तर बुजुर्ग इस्राइली …………और उन्होंने इसरील के खुदा को देखा (खुरूज २४।६-१०-११ पृ० ८१७)

प्रभु अदृश्य है और सुना भी नहीं जा सकता

खुदा को किसी ने भी नहीं देखा (युहन्ना १।१८ पृ० १३१)

तुमने न कभी उसकी आवाज़ सुनी है और न कभी उसकी सूरत देखी (युहन्ना ५।३७ पृ० १३६)

और बोला तू मेरा चेहरा नहीं देख सकता इसलिए कि कोई इन्सान नहीं कि मुझे देखे और जिन्दा रहे।

(खुरूज ३३।२० पृ० ११६)

न उसे किसी इन्सान ने देखा और न देख सकता है।

(१ तिमुथियस ६।१६ पृ० ३०६)

५. परमेश्वर थक जाता है और विश्राम करता है

इसलिए कि छः दिन में खुदावन्द ने आसमान व जमीन को पैदा किया और सातवें दिन आराम किया और ताजा दम हुआ (खुरूज ३१।१७ पृ ११३)

पछताता पछताता मैं थक गया (यरेनिया १५।६)

लेकिन तूने अपने गुनाहों से बारबरदार कराया और अपनी खताओं से मुझे थकाया (यसायाह ४३।२४ पृ० ८५५)

प्रभु न कभी थकता है और न विश्राम करता है

क्या तूने नहीं जाना ? क्या तूने नहीं सुना ? खुदावन्द, सो अबदी खुदा है, जमीन के किनारों का पैदा करने वाला, वह थक नहीं जाता और मांदा नहीं होता (यसायाह ४०।२८ पृ० ८५१)

६. ईश्वर सर्वव्यापक है और सब वस्तुओं को देखता और जानता है।

खुदावन्द की आंखें सब मकानों में हैं।

(अम्साल १५।३ पृ० ७७६)

तेरी रूह से मैं किधर जाऊं ? और तेरी हुजूरी से मैं कहां भागूं ? अगर मैं आसमान के ऊपर चढ़ जाऊं तो तू वहां है, अगर मैं पाताल में अपना बिस्तर बिछाऊं, तो देख तू वहां भी है।

अगर सुबह के पंख लेके मैं समन्दर की इन्तहा में जा रहूं तो वहां भी तेरा हाथ मुझे ले चलेगा और तेरा दाहिना हाथ मुझे संभालेगा। (जबूर १३६।७-१० पृ० ७५६)

कोई तारीकी नहीं है न मौत का साया है, जहां बदकारी करने वाले आपको छिपा सकें क्योंकि उसकी आंखें इन्सान की राहों पर लगी हैं, और वह उनकी सारी रविशों पर नजर रखता है (अयूब ३४।२२-२१ पृ० ६६६)

ईश्वर सर्वव्यापक नहीं है न तमाम वस्तुओं को देखता है और न जानता है।

और खुदावन्द उस शहर और बुर्ज को जिसे बनी आदम बनाते थे, देखने उतरा (पैदाइश ११।५ पृ० १५)

मैं अब उतर के देखूंगा, कि उन्होंने सरासर उस चिल्लाने के मुताबिक, जो मुझ तक पहुँचा, किया है या नहीं और अगर नहीं तो मैं दर्याफ्त करूंगा (पैदाइश १८।२०-२१ पृ० २३)

और आदम और उसकी जोरू ने आपको खुदावन्द खुदा के सामने से बाग़ के दरख्तों में छिपाया (पैदाइश ३।८ पृ० ७८)

७. ईश्वर मनुष्यों के हृदय को जानता है

ऐ खुदा तू सब के दिलों को जानता है।

(आमाल १।२४ पृ० १७०)

वह तो दिलों के राजों से भी आगाह है।

(जबूर ४४।२१ पृ० ७००)

तू मेरा बैठना और तू मेरा उठना जानता है, तू मेरे अन्देशे को दूर से दर्याफ्त करता है। तू मेरा चलना, मेरा लेटना खूब जानता है, बल्कि तू मेरी सारी रविशों को जानता है। (जबूर १३६। २-३ पृ० ७५६)

ईश्वर लोगों के दिलों की बात जानने के लिये उनकी जांच करता है।

खुदावन्द तुम्हारा खुदा तुम्हें आजमाता है, तो दर्याफ्त करे, कि तुम खुदावन्द अपने खुदा अपने सारे दिल और अपनी सारी

जान से दोस्त रखते हो कि नहीं (इस्तस्ना १३ । ३,पृ० २४४)

खुदावन्द तेरा खुदा बयाबान के बीच इन चालीस वर्ष तुझको लिए फिरा, ताकि तुझे आजिज़ करे, और तुझे आज़मावे, और तेरे दिल की बात दर्याफ़्त करे, कि तू उसके उसके अहकाम मानेगा कि नहीं (इस्तिस्ना ८। २ पृ० २३७)

कि अब मैंने जाना कि तू खुदा से डरता है: इसलिए तूने अपने बेटे, हां अपने इकलौते को मुझ से दरेग़ न किया।

(पैदाइश २२। १२। पृ० २८)

८. ईश्वर सर्वशक्तिमान् है

कि देख, मैं खुदावन्द हूँ, और सारे बशर का खुदा; क्या मेरे आगे कोई काम दुश्वार है (यरेनिया ३२। २७ पृ० ८२४)

और तेरे आगे कोई काम मुश्किल नहीं है (यरेनिया ३२। १७ पृ० ६२३)

खुदा से सब कुछ हो सकता है। (मती १६। २६ पृ० ३१)

ईश्वर सर्वशक्तिमान् नहीं हैं

और खुदावन्द यहूदा के साथ था; और उसने कोहिस्तानियों को ख़ारिज किया, पर नशेब के रहने वालों को खारिज न कर सका, क्योंकि उनके पास लोहे की रथें थीं (काज़ियों १। १६ पृ० ३०६)

९. ईश्वर अपरिवर्त्तनशील है

जिसमें न कोई तब्दीली हो सकती है, और न गर्दिश के सबब उस पर साया पड़ता है। (याकूब १। १७ पृ० ३३०)

क्योंकि मैं खुदावन्द हूँ, मैं बदलता नहीं हूँ (मलाकी ३। ६ पृ० ११०६)

मुझ खुदावन्द ने यह कहा यह हो जायगा और मैं उसे करूंगा; मैं न हटूंगा, न छोड़ूंगा, न पछताऊंगा (हेज़ेकियल २४। १४ पृ० ६६५)

खुदा इंसान नहीं, जो झूठ बोले, ना आदमज़ाद है, कि पशेमान होवे (गिन्ती २३ । १६ पृ० २०५)

ईश्वर परिवर्त्तनशील हैं

तब खुदावन्द जमीन पर इंसान के पैदा करने से पछताया और निहायत दिलगीर हुआ (पैदाइश ६ । ६ पृ० ११)

और खुदा ने उनके कामों को देखा कि वे अपनी बुरी बुरी राह से बाज आए तब खुदा उस बदी से जो उसने कही थी कि मैं उनसे करूंगा पछताके बाज आया और उसने उनसे वह बदी न की (यूना ३ । १० पृ० १०७७

सो खुदावन्द इसराइल का खुदा फर्माता है कि मैंने तो कहा था कि तेरा घराना और तेरे बाप का घराना हमेशा मेरे हुजूर में चलें पर अब खुदावन्द फर्माता है कि वे मुझसे दूर होवें।

(१ सेमुअल २। ३० पृ० ३४८)

उन्हीं दिनों में हिजकिया को मौत की बीमारी हुई तब आमूस का बेटा यसायाह उसके पास आया और उसे कहा खुदावन्द यों फ़र्माता है कि तू अपने घर की बाबत वसीयत कर इसलिये तू मर जाएगा और न जिएगा।

और पेश्तर इसके कि यसायाह घर के दर्म्यानी सहन में निकले ऐसा हुआ कि खुदावन्द का कलाम उस पर नाजिल हुआ और उसने कहा कि तू फिर जा और हिजकिया को, जो मेरे लोगों में सर्दार है कह कि खुदावन्द तेरे बाप दादों का खुदा यों फर्माता है कि मैंने तेरी दुआ सुनी और मैं तेरी उम्र १५ वर्ष बढ़ा दूंगा।

(२ सलातीन २२ । १-४-५-६ पृ० ५०२)

१०. ईश्वर न्यायी व पक्षपात रहित हैं

ताकि जाहिर करे कि खुदावन्द सीधा है और उसमें नारास्ती नहीं हैं (जबूर ६२ । १५ पृ० ७३१)

क्या तमाम दुनियां का इंसाफ़ करनेवाला इंसाफ़ न करेगा।
(पैदाइश १८। २५ पृ० २३)

खुदा सच्चा है और बदी से मुबर्रा है वह सादिक़ और बर्हक़ है। (इस्तिस्ना ३२। ४ पृ० २७०)

क्योंकि खुदा के यहां किसी की तरफ़दारी नहीं है।
(रोमियो २। ११ पृ० २१८)

ईश्वर अन्यायी व पक्षपाती हैं

क्योंकि मैं खुदावन्द तेरा खुदा ग़य्यूर खुदा हूँ और बाप-दादों की बदकारियों औलाद पर जो मुझ से अदावत रखती हैं तीसरी और चौथी पुश्त तक पहुँचाता हूँ।
(खुरूज २०। ५ पृ० ६७)

और अभी तक न तो लड़के पैदा हुए थे और न उन्होंने नेकी या बदी की थी ताकि खुदा का इरादा जो बरगुज़ीदगी पर मौकूफ़ है आमाल पर मबनी न ठहरे और उससे कहा गया कि बड़ा छोटे की खिदमत करेगा चुनेचे लिखता है कि मैंने याक़ूब से तो मुहब्बत की लेकिन इसाऊ से नफ़रत की।
(रोमियों ६। ११-१२-१३ पृ० २२८)

क्योंकि जिसके पास है उसे दिया जाएगा और उसके पास ज्यादह हो जाएगा और जिसके पास नहीं है उससे वह भी ले लिया जाएगा जो उसके पास है। (मती १३। १२ पृ० २०)

११. ईश्वर बुराई का निर्माता नहीं हैं

क्योंकि परमेश्वर गड़बड़ का कर्त्ता नहीं है।
(कुरन्थियों १४। ३३)

खुदा सच्चा है और बदी से मुबर्रा है वह सादिक़ व बरहक़ है। (इस्तिस्ना ३२। ४ पृ० २७०)

न तो बुरी बातों से परमेश्वर की परीक्षा होती और न वह दूसरों की परीक्षा लेता है। (याक़ूब १। १३)

ईश्वर बुराई कर्त्ता है

क्या अल्लाह ताला के मुंह से भला और बुरा नहीं निकलता। (यरेनिया का नौहा ३। ३८ पृ० ६५६)

मैं सलामती को बनाता हूँ और बला को पैदा करता हूँ।

(यसायाह ४५। ७ पृ०८५८)

१२. जो मांगते हैं उन्हें ईश्वर उदारता से देता है

पर यदि तुम में से किसी को बुद्धि की घटी हो तो परमेश्वर से मांगे जो उलाहने दिए बिना सब को उदारता से देता है और सबको दी जाएगी (याकूब १। ५)

क्योंकि जो कोई मांगता है उसे मिलता है और जो ढूंढता है वह पाता है और जो खटखटाता है उसके लिए खोला जाएगा (याकूब ११। १०)

ईश्वर अपनी देन रोक लेता है और उसकी प्राप्ति में रुकावट पैदा करता है।

उसने उनकी आंखें अन्धी व उनका मन कठोर किया है ऐसा न हो कि वे आंखों से देखें व मन से समझें और फिर मैं उन्हें चंगा करूं (युहन्ना १२। ४०)

क्योंकि वह खुदावन्द की तरफ से था कि उनके दिल सख्त हो गए थे ताकि वे जंग के लिए इसराइल से मुक़ाबला करें और ताकि वे उनको हरम करें और फिर वे मौरिदरहम के न रहें (जोशुअ ११। २० पृ० २६०)

ऐ खुदावन्द क्यों तूने हमें अपनी राह से गुमराह किया? क्यों तूने हमारे दिल को सख्त किया। (यसायाह ६३। १७ पृ० ८७०)

(१३) ईश्वर जो उसे ढूंढते हैं उन्हें मिल जाता है

क्योंकि जो मांगता है उसे मिलता है और जो ढूंढता है वह पाता है। (मती ८।७)

जो मुझको सवेरे ढूंढते हैं मुझको पावेंगे (अम्साल ८। १७ पृ० ७७२)

ईश्वर, जो उन्हें ढूंढते हैं उन्हें नहीं मिलता

तब वे मुझे पुकारेंगे, पर मैं जवाब न दूंगा। वह सबेरे मुझको ढूँढेंगे पर मुझको न पावेंगे (अम्साल १। २८ पृ० ७६६)

जब तुम अपना हाथ (बढ़ाओगे) फैलाओगे तो मैं तुमसे चश्मपोशी करूंगा, हां जब तुम दुआ पर दुआ मांगोगे तो मैं न सुनूंगा (यसायाह १। १५ पृ० ८१३)

वे चिल्लाए पर कोई बचाने वाला न था, हां खुदावन्द को पुकारा, उसने उन्हें जवाब न दिया (ज़बूर १८। ४१ पृ० ६८३)

(१४) ईश्वर शान्तिप्रिय हैं

शान्ति का परमेश्वर (रोमियों १५। ३३)

क्योंकि परमेश्वर गड़बड़ का नहीं पर शान्ति का कर्त्ता है (कुरिन्थियो १४। ३३)

ईश्वर लड़ाकू हैं

खुदावन्द साहिबे जंग है (खुरूज १५। ३ पृ० ६१)

उसका नाम रबुल अफ़वाज है (यसायाह ५१। १५ पृ. ८६४)

खुदावन्द मेरी चट्टान मुबारक हो जो मेरे हाथों को जंग करना और मेरी उंगलियों को लड़ना सिखाता (ज़बूर १४४। १ पृ. ७६१)

(१५) ईश्वर कृपालु दयालु व नेक है

प्रभु बहुत तरस खाता और दया करता है (याकूब ५। ११)

क्योंकि वह खुशी से मुसीबत नहीं भेजता और न बनी

आदम को दुख देता है। (यरेनिया के नौहा ३ । ३३ पृ० ६५६)

क्योंकि उसकी रहमत अबदी है (१ तवारीख १६ । ३४)

कि खुदावन्द यहोवा कहता है कि मुझे उसके मरने से जो मरता है कोई शादमानी नहीं, (हेजेकियल १८ । ३२ पृ० ६८५)

खुदावन्द सब के लिए भला है और उसकी रहमतें उसकी सारी सनअतों पर हैं (ज़बूर १४५ । ९ पृ० ७६२)

वह चाहता है कि सब मनुष्यों का उद्धार हो और वे सत्य को भली भांति पहिचाने (१ तिमोथी २-४)

परमेश्वर प्रेम है (१ योहन्ना ४ । ६)

खुदावन्द भला और सीधा है (ज़बूर २५ । ८ पृ० ६८७)

ईश्वर निर्दयी घातक व क्रूर है

मैं शफ़क़त न करूंगा और हरगिज़ रियायत न करूंगा और रहम न दिखाऊंगा बल्कि उन्हें हलाक करूंगा (यरेनिया १३ । १४ पृ. ८६७)

तुम लोगों को जिन्हें खुदावन्द तेरा खुदा तेरे हवाले करेगा, निगल जाएगा उन पर मुतलक़ तेरी शफ़क़त की नज़र न होगी (इस्तिस्ना ७ । १६ पृ. २२६)

सो अब तू जा और अमालिक को मार और सब जो कुछ कि उनका है हरम कर और उन पर रहम मत कर बल्कि मर्द और औरत नन्हें बच्चे और शीरख्वार और बैल, भेड़ और ऊंट और गधे तक सब को क़त्ल कर (१ सेमुअल १५ । ३ पृ० ३६४)

खुदावन्द के सन्दूक़ के भीतर देखा सो उसने ५० हज़ार और ७० आदमी उनमें के मार डाले (१ सेमुअल ६ । १९ पृ० ३५३)

खुदावन्द ने आजिका तक आसमान से उन पर बड़े पत्थर गिराए और वे मुए (याशुआ १० । ११ पृ० २८७)

ईश्वर को कोप क्षणिक व मंद है

खुदावन्द रहीम और करीम है गुस्सा होने में धीमा और शफ़क़त में बढ़कर (ज़बूर १०३ । ८ पृ० ७३६)

कि उसका गुस्सा एकदम का है (ज़बूर ३० । ५ पृ० ६६०)

ईश्वर का कोप बड़ा भयानक, बार बार होने वाला और चिरकालीन है।

तब खुदावन्द का कहर इसराइल पर बरसा और उसने उन्हें मैदान में चालीस वर्ष अवारा रखा, जब तक कि वह सारी पुश्त जिसने खुदावन्द के रूबरू गुनाह किया था नाबूद न हुई (गिन्ती ३२ । १३ पृ० २१७)

और खुदावन्द ने मूसा को फर्माया, कौम के सारे सर्दारों को पकड़ और उनको खुदावन्द के लिए आफ़ताब के मुक़ाबले लटका दे ताकि खुदावन्द के ग़ज़ब का भड़कना इसराइल पर से टल जाए (गिन्ती २५ । ४ पृ० २०७)

खुदा उससे मिला और चाहा कि उसे हलाक़ करे (खुरूज ४ । २४ पृ० ७६)

(१७) ईश्वर जली हुई भेटों की और पवित्र दिनों की आज्ञा देता है और प्रसन्न होता है।

और तू हर रोज़ एक बैल को ख़ता की कुर्बानी के लिए कफ़ारे के वास्ते ज़िबाह कर (खुरूज २९।३६ पृ० ११०)

सातवें महीने में भी और उसके दसवें रोज़ कफ़ारा देने का दिन होगा तुम्हारी मुकद्दस जमाअत होगी तुम उस दिन आपको ग़मज़दा बनाओ और खुदावन्द के लिए आग से कुर्बानी गुज-रानो । (एहबार २३।२७ पृ० १५९)

और वह उसके आंझ और पावों को पानी से धोवे और

कहीं सबको मज्हब पर जलावे कि सोख़तनी कुर्बानी यानि खुशबू आग से खुदावन्द के लिए है (अहबार १।६ पृ० १२७)

और तू उस मेंढ़े को कुर्बानगाह पर जला यह खुदावन्द के लिए सोखतनी कुर्बानी है यह खुशनूदी की बू आग से खुदा के लिए है (खुरूज २६।१८ पृ० १०६)

ईश्वर पवित्र दिनों को व भेंटों को नापसन्द करता है।

तेरी सोखतनी कुर्बानी मुझे पसन्द नहीं है और तेरे जबीहे खुश नहीं आते (यरेनिया ६।२० पृ० ८८८)

क्योंकि जिस दिन मैं तुम्हारे बाप दादों को मिस्र की जमीन से निकाल लाया उस दिन सोख़तनी कुर्बानी और जबीहे की बाबत कुछ नहीं कहा और हुक्म नहीं दिया (यरेनिया २२पृ० ८८६

क्या मैं बैलों का गोश्त खाता हूँ या बकरों का लहू पीता हूँ, तू शुक्रगुजारी की कुर्बानियां खुदाके गुज़रान और हक़्क़ ताला के हुजूर में अपनी नजरे अदा कर (जबूर ५०।१३-१४ पृ० ७०४)

१८. ईश्वर मनुष्यों की बलि वर्जता है

तू तो अपने से होशयार रह, न हो कि तेरे सामने उनके नाबूद होने के बाद, तू उनकी पैरवी करके फन्दे में फंसे......... क्योंकि उन्होंने हरेक मकरू हुक़ाम जिससे खुदावन्द अदावत रखता है अपने माबूदों के लिए किया यहां तक कि अपने बेटों और बेटियों को भी अपने माबूदों के लिए आग में डालकर जला दिया। (इस्तिस्ना १२। ३०-३१ पृ० २४४)

ईश्वर मनुष्यों की भेंट की आज्ञा देता है और स्वीकार करता है।

तब उसने कहा कि तू अपने बेटे, हां अपने इकलौते बेटे को, जिसे तू प्यार करता है इज्हाक़ को ले और जमीने मीरियाह में

जा, और उसे वहां पहाड़ों में से एक पहाड़ पर, जो मैं बताऊंगा सोख़तनी कुर्बानी के लिए चढ़ा (पैदाइश २२ । २ । पृ० २८)

१६. ईश्वर किसी को परखता नहीं है

जब कोई आज़माया जाए तो यह न कहे कि मेरी आज़माइश ख़ुदा की तरफ़ से होती है क्योंकि न तो ख़ुदा बदी से आज़माया जा सकता है और न वह किसी को आज़माता है। (याकूब १।१३)

ईश्वर मनुष्यों को परखता है

उन बातों के बाद यूं हुआ कि ख़ुदा ने, इब्राहीम को आज़माया (पैदायश २२ । १ पृ० २७)

बाद उसके ख़ुदावन्द का ग़ुस्सा इसराइल पर बड़ा भड़का कि उसने दाऊद के दिल में डाला कि उनका मुख़ालिफ़ होके कहे कि जा और इसराइल और यहूदा को गिन।

(२ सेमुअल २४ । १ । पृ० ४२५)

ए ख़ुदावन्द तूने मुझे तरग़ीब (device) दी और मैंने तरग़ीब पाई। तू मुझ से तवानातर है।

(यरेनिया २०। ७ पृ० ६०५)

ईश्वर झूठ नहीं बोल सकता

ख़ुदा इंसान नहीं जो झूंठ बोले। (गिन्ती२३,१६ पृ० २०५)

परमेश्वर का झूंठ बोलना अनहोना है। (इब्रानियां ६। १२)

ईश्वर झूंठ बोलता हैं और झूंठ बोलने वाली रूहों को धोखा देने के लिए भेजता हैं

ऐ ख़ुदावन्द ख़ुदा यक़ीनन तूने इस क़ौम को और येरूशलम को यह कहके दग़ा दी। (यरेनिया ४। १० पृ० ८८४)

और इसी कारण परमेश्वर उनमें एक भटकने वाली सामर्थ्य भेजेगा कि वे झूंठ की प्रतीति करे। (थेसिलोनिया २। ११)

(इसी सबब से खुदा उनके पास गुमराह करने वाली तासीर भेजेगा ताकि वे झूंठ को सच जाने)

सो खुदावन्द ने इन सब नबियों के मुंह में झूंठी रूह डाली है और खुदावन्द ही ने तेरी बाबत बुरी खबर दी है। (१ सलातीन २२। २३ पृ० ४६८)

तब खुदावन्द ने अबिमालिक और सिकम के लोगों के दर्म्यान एक बदरूह को भेजा। काजियों ९। २३। ३२२)

और वह नबी जो है कि दग़ा खाके कुछ कहे,तो मैं खुदावन्द ने उस नबी को दग़ा दी है। (हेज़्केियल १४। ९ पृ० ९७७)

२१. ईश्वर मनुष्य को उसकी दुष्टता से उसे नष्ट करता है

और खुदा ने देखा कि ज़मीन पर इंसान की बदी बहुत बढ़ गई और उसके दिल के तसव्वुर और ख़याल रोज़ बरोज़ सिर्फ़ बद ही होते हैं……और खुदावन्द ने कहा कि मैं इंसान को जिसे मैंने पैदा किया रुए ज़मीन पर से मिटा दूंगा।

(पैदाइश ६। ५-७ पृ० ११)

ईश्वर मनुष्य को उसकी दुष्टता के लिए नष्ट नहीं करेगा

और खुदा ने अपने दिल में कहा कि इंसान के लिए मैंने ज़मीन को फिर कभी लानत न करूंगा इसलिए कि इंसान के दिल का खयाल लड़कपन से बुरा है और जैसा कि मैंने कहा कि फिर सारे जानदारों को न मारूंगा। (पैदाइश ८। २१। पृ० १३)

२२. ईश्वर केवल एक ही हैं

सुनले ऐ इसराइल, खुदावन्द हमारा खुदा अकेला खुदावन्द है। (इस्तिस्ना ६। ४)

और एक को छोड़कर और कोई परमेश्वर नहीं।

(१ कुरन्थियों ८। ४)

ईश्वर अनेक हैं

तब खुदा ने कहा कि हम इंसान को अपनी सूरत और अपने मानिंद बनावें । . पैदाइश १ । २६ । पृ० ६)

औ खुदावन्द खुदा ने कहा कि देखे इंसान नेक और वद की पहचान में हम में से एक की मानिंद हो गया ।

(पैदाइश ३ । २२ । पृ० ८)

और स्वर्ग में गवाही देने वाले तीन हैं । (१ योहन्ना ५ । ८७)

धार्मिक सिद्धान्त

२३. चोरी की आज्ञा

कि जब तुम जाओगे तो खाली हाथ न जाओगे······बल्कि हर एक औरत अपनी पड़ोसिन से, और उसके घर में रहती है, रुपए और सोने के बर्त्तन और लिबास आरयत लेगी, और तुम अपने बेटों और अपनी बेटियों को पहनाओगे और मिस्र को ग़ारत करोगे । (खुरूज ३ । २१-२२ । पृ० ७५)

और उन्होंने मिस्रियों से (चांदी) रुपए के बर्त्तन और सोने के बर्त्तन और कपड़े ऐरियत लिए······और उन्होंने मिस्र को लूटा लिया । खुरूज १२ । ३५-३६ । पृ० ८७)

चोरी का निषेध

तू अपने पड़ौसी से दग़ाबाज़ी न कर, न उससे कुछ छीन ले । (अहबार १९ । १ । पृ० १५३)

तू चोरी मत कर । (खुरूज २० । १५ । पृ० ९७)

२४. झूठ बोलने की आज्ञा

और खुदावन्द ने सेमुअल को कहा······मैं तुझे बैथलमी-यसी के पास भेजता हूँ कि मैंने उसके बेटों में से एक को अपने

लिए बादशाह ठहराया है······कि अगर साइल सुनेगा तो मुझे मार ही देगा। खुदावन्द ने फ़र्माया एक बछिया अपने साथ ले जा और कह कि मैं खुदावन्द के लिए कुर्बानी करने को आया हूँ।
(१ सेमूअल १६ । १-२ पृ० ३६६)

तब उस औरत ने उन दोनों मर्दों को लिया और उन्हें छिपा दिया और यूं कहा कि मर्द तो मेरे पास आये थे पर मैं नहीं जानती हूँ कि कहां के थे। ······सो ऐसा हुआ कि फाटक बन्द करते वक्त जब अन्धेरा था, वे मर्द निकल गए और मैं नहीं जानता हूँ कि वे मर्द कहां गए, सो जल्द उनका पीछा करो कि तुम उन तक पहुँचोगे।······पर वह उन्हें अपनी छत पर चढ़ा ले गई थी. और सन की लकड़ियों के नीचे, जो छत पर तरतीब से धरी थी छिपा दिया था। (याशुआ २ । ४-५-६ । पृ० २७६)

वैसे ही राहाब वेश्या भी जब उसने दूतों को अपने घर में उतारा और दूसरे मार्ग से विदा किया तो क्या कामों से धर्मी न ठहरी। (याकूब २ । २५)

फिर मिस्र के बादशाह ने दाइयों को बुलवाया और उन्हें कहा, तुमने ऐसा क्यों किया और लड़कों को क्यों जीता रहने दिया ?······दाइयों ने फिर उनको कहा कि इसलिए कि इब्रानी औरतें मिस्र की औरतों के मानिन्द नहीं, कि वे मजबूत हैं और पेश्तर उससे कि दाइयां उन तक पहुँचे, जान डालती हैं······ पास एहसान किया खुदा के दाइयों के साथ और लोग फिरावां हुए और बड़ा जोर पैदा किया। (खुरूज १ । १८-२०)

उस वक्त एक रूह निकली, खुदावन्द के सामने खड़ी हुई और बोली कि मैं उसे तरग़ीब दूंगी, फिर खुदावन्द ने फ़र्माया कि किस तरह से ? वह बोली मैं रवाना होऊंगी और झूठी रूह बनके उसके सारे नबियों के मुंह में पड़ूंगी और वह बोला तू

तरगीब देगी और ग़ालिब भी होगी, खाना हो और ऐसा कर।
(१ सलातीन २२ । २१-२२ पृ० ४६८)

यदि मेरे झूंठ के कारण परमेश्वर सच्चाई उसकी महिमा के लिए अधिक करके प्रकट हुई तो फिर क्यों मैं पापी की नाईं दण्ड के योग्य ठहराया जाता हूँ। (रोमियों ३ । ७)

तब तुम मेरी अहद शिकनी को जान लोगे।
(गिन्ती १४ । ३४ । पृ० १६१)

सो ऐसा हो सकता है कि मैंने तुम पर बोझ नहीं डाला पर चतुराई से तुम्हें धोखा देकर फंसा लिया।
(२ करेन्थियन १२ । १६)

झूंठ बोलने का निषेध

तू अपने पड़ौसी पर झूंठी गवाही मत दे।
(खुरूज २० । १६ । पृ० ६७)

झूठे लबों से खुदावन्द को नफ़रत है।
(अम्साल १२ । २२ । पृ० ७७६)

सब झूठों का भाग उस झील में मिलेगा जो आग और गन्धक से जलती है। (प्रकाशित वाक्य २१ । ८)

२५. वध की आज्ञा

इसराइल के खुदा ने फर्माया है कि तुम में से हर मर्द अपनी कमर पर तलवार बांधे और एक दरवाजे से दूसरे दरवाजे तक तमाम लश्करगाह में गुजरे फिरो, और हर मर्द तुम में से अपने भाई को और हरेक आदमी अपने दोस्त को और हरेक आदमी अपने क़रीब को क़त्ल करे। (खुरूज ३२ । २७ । पृ० ११५)

सो याहू ने उन सब को जो अक़याब के घेरे से यज़राइल में बचे रहे थे क़त्ल कर दिये ·· ···सो खुदावन्द ने याहू को कहा, अजबस कि तूने नेकी की कि उसे जो मेरी निगाह में भला था,

अंजाम दिया है और सब कुछ कि मेरे दिल में था तूने अक़याब के घराने से किया, सो तेरे बेटे चौथी पुश्त तक इस्राइल के तख़्त पर बैठेंगे। (२ सलातीन १० । ११-३० । पृ० ४८७)

वध का निषेध

तू खून मत कर। (खुरूज २० । १३ । पृ० ६७)

किसी खू... में अनन्त जीवन नहीं रहता। (युहन्ना ३ । १५)

२६. खून बहाने वाला जरूर मारा जाएगा

और हर एक आदमी के हाथ से उसका बदला लूंगा. आदमी की जान का बदला हर एक आदमी के हाथ से कि उसका भाई है लूंगा, जो कोई आदमी का लहू बहावे, आदमी ही से उसका लहू बहाया जावे। (पैदाइश ६ । ५-६ पृ० १३)

खून बहाने वाला न मारा जाएगा

और खुदावन्द ने क़ाइन पर एक निशान लगाया कि जो कोई उसे पावे, मार न डाले। (पैदायश ४ । १५ पृ० ६)

२७. मूर्तियों के बनाने का निषेध

तू अपने लिए कोई मूरत या किसी चीज की सूरत, जो ऊपर आसमान पर, या नीचे जमीन पर या पानी में जमीन के नीचे है, मत बना। (खुरूज २० । ४ । पृ० ६७)

मूर्तियां बनाने की आज्ञा

और तू सोने की दो क़रबी बनाइयो......और वे क़रबी पर फैलाए हुए हों, ऐसा कि कफ़ारगाह उनके परों तले ढांप जाए और उनके मुंह आमने सामने कफ़ारगाह की तरफ होवें।

(खुरूज २५ । १८-२० । पृ० १०३)

२८. दासता और अत्याचार की आज्ञा

तब वह बोला, कि कैनन मलऊन हो, वह अपने भाइयों के गुलामों का गुलाम होगा। (पैदायश ६ । २५. पृ० १४)

और तुम्हारे बेटों और बेटियों को भी बनी यहूदा के हाथ बेचूंगा. और वह उनको सबाइयों के हाथ जो दूर मुल्क में रहते हैं बेचूंगा क्योंकि खुदावन्द ने यह फ़र्माया है।

(यूएल ३ । ८ पृ० १०६५)

दासता और अत्याचार का निषेध

तू मुसाफिर को हर्गिज ना सता और उससे बद सुलूक न कर, इसलिए कि तुम भी ज़मीन-ए-मिस्र में मुसाफिर थे।

(खुरूज २२ । २१ । पृ० १००)

और जो कोई आदमी को चुरा ले जावे और उसे बेच डाले या वह उसके पास से पकड़ा जावे, तो वह मार डाला जावेगा।

(खुरूज २१ । १६ पृ० ६८)

२९. क्रोध का अनुमोदन

गुस्सा तो करो, मगर गुनाह न करो : सूरज के डूबने तक तुम्हारी खफ़गी न रहे। (इफ़िसिअन ४ । २६ पृ० २८२)

तब उसने पीछे फिर उन पर निगाह की और खुदावन्द का नाम ले के उन पर लानत भेजी। सो वहीं बन से दो रीछिनियां निकली और उन्होंने उनमें से बयालीस छोकरे फाड़ डाले।

(२ सलातान २ । २४ । पृ० ४७२)

क्रोध का अननुमोदन

तू अपने जी में जल्द गुस्सावर मत बन कि इसलिए कि गुस्सा बेदानिशों के सीने में पड़ा रहता है।

(वाइज़ ७ । ६ पृ० ८०२)

गुस्सावर आदमी से दोस्ती मत कर।

(अम्साल २२ । २४ पृ० ७८६)

३०. मनुष्यों के अच्छे कर्म दिखाई देने चाहिए

इसी तरह तुम्हारी रोशनी आदमियों के सामने चमके ताकि वह तुम्हारे नेक कामों को देखें। (मती ५ । १६ पृ० ६)

मनुष्यों के अच्छे काम दिखाई न दें

खबरदार अपने रास्तबाजी के काम आदमियों के सामने दिखाने के लिए ना करो। (मती ६ । १ । पृ० ८)

३१. यीशु ने सहिष्णुता की शिक्षा दी

बल्कि जो कोई तेरे दाहिने गाल पर तमाचा मारे दूसरा भी उसकी तरफ फेर दे। (मती ५ । ३६ । पृ० ७)

क्योंकि जो तलवार खींचते हैं वह सब तलवार से हलाक़ किये जायंगे। (मत्ती २६ । ५२ । पृ० ४५)

यीशु ने असहिष्णुता सिखाई और स्वयं उसका प्रदर्शन किया

और जिसके पास (तलवार) नहीं है वह अपनी पौशाक बेचकर तलवार खरीदे। (लूक़ा २२ ३६ । पृ० १८५)

और रस्सियों का कोड़ा बनाकर सबको यानि भेड़ों और बैलों को हेकल से निकाल दिया (युहन्ना २।१५ पृ० १२३)

३२. यीशु ने अपने अनुयाइयों को चिताया कि मरने से न डरो।

मगर तुम दोस्तों से मैं कहता हूँ कि इनसे न डरो जो बदन को क़त्ल करते हैं। (लूका १२ । ४ पृ० १०६)

यीशु मारे जाने के डर से स्वयं यहूदियों से बचता फिरा।

इन बातों के बाद यीशु गलिल में फिरता रहा क्योंकि यहूदियों में फिरना ना चाहता था इसलिए कि यहूदी उसके कत्ल की कोशिश में थे। (युहन्ना ७ । १ पृ० १४२)

३३. (सातवें रोज़) सबथ के रोज़ मृत्युदण्ड के भय से कोई काम न किया जावे।

पास जो कोई रोज़े सब्त को काम करे वह ज़रूर मार डाला जाए (खुरूज ३१। १५। पृ० ११३)

उसने एक शख्स को देखा कि वह सब्त के दिन लकड़ियां जमा करता था............चुनाचे सारी जमाअत इसे खेमे के बाहर ले गई और इसे संगसार किया कि वह मर गया जैसा खुदावन्द ने मूसा को फ़र्माया था। (गिन्ती १५।३२।३६ पृ० १६३)

यीशु ने सबथ को तोड़ा और अपने कार्य को उचित बताया।

इसलिए यहूदी यीशु को सताने लगे और उसके मारने की ताक में थे क्योंकि वह ऐसे काम सबथ के दिन करता था।

(युहन्ना ५।१६ पृ० १३८)

इस वक्त यीशु सबथ के दिन खेतों में होकर गया और उस के शागिर्दों को भूख लगी और बालें तोड़ तोड़ कर खाने लगे, फ़रीशियों ने देखकर उससे कहा कि देख तेरे शागिर्द वह काम करते हैं जो सबथ के दिन करना रवां नहीं इसने उनसे कहा कि क्या तुमने यह नहीं पढ़ा कि जब दाऊद और उसके साथी भूखे थे तो उसने क्या किया या तुमने तौरेत में नहीं पढ़ा कि कहीं सबथ के दिन हैकल में सबथ की बेहुर्मति करते हैं और बेकुसूर रहते हैं (मती १२।१-२-३-५ पृ० १७)

३४. बप्तिस्में की आज्ञा

पास तुम जाकर सब क़ौमों को शागिर्द बनाओ और उन्हें बाप और बेटा और रूहुल क़ुद्स के नाम पर बप्तिस्मा दो।

(मती २८।१९ पृ० ४६)

बप्तिस्में का निषेध

क्योंकि मसीह ने मुझे बप्तिस्मा देने को नहीं भेजा बल्कि खुशखबरी सुनाने को...... ...खुदा का शुक्र करता हूँ कि क्रिस्पस् और गयस् के सिवाय मैंने तुममें से किसी को बप्तिस्मा नहीं दिया (१ कुरन्थियों १।१७ १४ पृ० ६३८)

३५. हर प्रकार के जानवर को खाने की आज्ञा

सब जीते चलते जानवर तुम्हारे खाने के वास्ते हैं।

(पैदाइश ६।३ पृ० १३)

जो कुछ कसायबों की दूकान में बिकता है वह खाओ।

(१ कुरन्थियों १०।२५ पृ० २४८)

कुछ जाति के जानवरों को खाने का निषेध है

लेकिन उनमें से कि जुगाली करते हैं या उनके खुर चिरे हैं तुम इन्हें मत खाइयो, इसलिए कि ये जुगाली करते हैं, लेकिन उनके खुर चिरों हुए नहीं हैं सो वे तुम्हारे लिए नापाक है...... और सूअर भी कि जिसके खुर चिरे हुए हैं पर जुगाली नहीं करता वह तुम्हारे लिए नापाक है, तुम उसका गोश्त ना खाइयो ना उसकी लाश को हाथ लगाइयो (इस्तिरना १५।७-८ पृ० ०४६)

३६. शपथ खाने की आज्ञा

अगर कोई मर्द खुदावन्द की मिन्नत माने या क़सम खा के अपनी जान पर कोई खास क़र्ज टहरावे तो वह अपनी बात ना टाले बल्कि सब जो कुछ उसके मुंह से निकला है अमल करे।

(गिन्ती ३०।२ पृ० २।४)

और जो कोई क़सम जमीन में क़सम खाए सच्चे खुदा के नाम से क़सम खाएगा (यसायाह ६५।१६ पृ० ८७७)

चुनाचे जब खुदा ने इब्राहीम से वादा करते वक्त क़सम खाने को अपने से बड़ा न पाया तो अपनी ही क़सम खाकर कहा।

(इब्रानियों ६।१३ पृ० ३१६)

शपथ खाने का निषेध

लेकिन मैं तुमसे यह कहता हूँ कि बिल्कुल क़सम न खाओ न तो आसमान की क्योंकि यह खुदा का तख़्त है ना जमीन की क्योंकि वह उसके पांवों के नीचे की चौकी है (मती ५।३४ पृ० ७)

३७. विवाह का अनुमोदन व आज्ञा

और खुदावन्द खुदा ने कहा कि अच्छा नहीं कि आदम अकेला रहे, मैंने उसके लिए एक साथी उसकी मानिन्द बना-ऊंगा (पैदाइश २।१८ पृ० ७)

और खुदा ने इनको बरक़त दी और खुदा ने उन्हें कहा कि फलो और बढ़ो और ज़मीन को मामूर करो और उसको महकुम करो। (पैदाइश १।२८ पृ० ६)

इस सबब से मर्द, बाप से और मां से जुदा होकर अपनी बीवी के साथ रहेगा (मती १६।५ पृ० ३०)

ब्याह करना सब में इज्ज़त की बात समझी जावे।

(इब्रानियों १३।४ पृ० ३२८)

विवाह का अननुमोदन

जो बातें तुमने लिखीं थीं उनकी बाबत यह है कि मर्द के लिए अच्छा है कि औरत को न छुए............और मैं तो यही चाहता हूँ कि जैसा मैं हूँ वैसे ही सब आदमी रहें।.......... पास में बीवियों और बेवा औरतों के हक़ में यह कहता हूं कि उनके लिए ऐसा ही रहना अच्छा है जैसा मैं हूं।

(१ करिन्थियों ७।१-७-८ पृ० २४४)

३८. स्त्री के त्याग की आज्ञा

अगर कोई मर्द कोई औरत लेके उससे ब्याह करे और बाद उसके ऐसा हो कि वह उसकी निगाह में अज़ीज़ न हो तो वह उसका तलाक़नामा लिख उसके हाथ में दे और उसे अपने घर से बाहर करे (इस्तिसना २४।१ पृ० २५७)

और जब तू लड़ाई के लिए अपने दुश्मनों पर खुरूज करे खुदावन्द तेरा खुदावन्द तेरा खुदा उनको तेरे हाथों में गिरफ्तार करे और तू उन्हें असीर कर लाए और उन आसिरों में खूबसूरत औरत देखे और तेरा जी उसे चाहे कि तू उसे अपनी जोरू बनाए तो तू उसे अपने घर में ला, बाद उसके तू उसके साथ खलवत कर और उसका खसम बन और वह तेरी जोरू बने, बाद उसके अगर तू इससे खुशवख्त न होवे तो जहां चाहे वहां जाने दे पर तू उसे नकदी के एवज़ हरगिज़ बेच नहीं सकता, ना तू उससे नफ़ा पैदा कर सकता है क्योंकि तूने उसे रुसवा किया।

(इस्तिस्ना २१।१०-१४ पृ० २५४)

स्त्री के त्याग का विरोध

लेकिन मैं तुमसे यह कहता हूं कि जो कोई अपनी बीवी को हरामकारी के सिवाय किसी और सबब से छोड़ दे वह उससे जिना कराता है। (मती ५।३२ पृ० ५७)

३६. व्यभिचार की आज्ञा

लेकिन वे लड़कियां जो मर्द की सोहबत से वाक़िफ़ नहीं है उन्हें अपने लिए जिन्दा रखो। (गिन्ती ३१।१८ पृ० २१६)

खुदावन्द ने हूसिया को फ़र्माया कि जा और एक जिनाकार की औरत अपने लिए ले। खुदावन्द ने मुझे फ़र्माया कि फिर जा और एक औरत से जो उसके दोस्त की प्यारी है पर जिना करती है। सो मैंने उसको लिया..........और उसको कहा कि तू मेरे लिए बहुत दिन तक बैठी रहेगी; तू हरामकारी न करेगी, ना किसी मर्द की होगी, और मैं भी तेरे लिए यूं ही रहूँगा।

(हूसिया १।२(३) १-२-३ पृ० १०५४)

व्यभिचार का निषेध

तू जिना मत कर (खुरूज २०।१४ पृ० ६७)

इसलिए कि खुदा हरामकारों और जानियों की अदालत करेगा (इब्रानियों १३।४ पृ० ३२८)

४०. अपनी बहिन से शादी व सम्भोग की निंदा

जो कि अपनी बहिन के साथ, जो अपनी मां की बेटी या अपने बाप की बेटी हो हम-बिस्तर होवे उस पर लानत।

(इस्तिस्ना २७।२२ पृ० २६१)

और अगर कोई मर्द अपनी बहिन को या अपने बाप की बेटी या अपनी मां की बेटी............यह निहायत बुरा है।

(एहबार २०।१७ पृ० १५५)

इब्राहीम ने बहिन से शादी की और ईश्वर ने जोड़े को आशीर्वाद दिया।

और इब्राहीम बोला............और वह तो सच मेरी बहिन है; मेरे बाप की बेटी, पर मेरी मां की बेटी नहीं, सो मेरी जोरू हुई (पैदायश २०।११-१२ पृ० २६)

और खुदा ने इब्राहीम से कहा कि तेरी जोरू सरी जो है ....और मैं उसे बरकत दूंगा और उससे भी तुझे एक बेटा बख्शूंगा। (पैदायश १७।१५-१६ पृ० २१)

४१. अपने भाई की विधवा से विवाह की आज्ञा

अगर कई भाई एक जा रहते हों और एक उनमें से बेऔलाद मर जाए तो उस मरहूम की जोरू का ब्याह किसी अजनबी से न किया जावे बल्कि उसके शौहर का भाई खल्वत करे और उसे अपनी जोरू करले (इस्तिस्ना २५।५ पृ० २५८)

अपने भाई की विधवा से विवाह का निषेध

और जो शख्स अपने भाई की जोरू को लेवे तो यह मकरूह है वे ला औलाद होंगे। (एहबार २०।२१ पृ० १५५)

४२. कुटुम्बियों से नफ़रत करने की आज्ञा

अगर कोई मेरे पास आवे और अपने बाप अपने मां और बीवी और बच्चों और भाइयों और बहिनों बल्कि अपनी जान से भी दुश्मनी न करे तो मेरा शागिर्द नहीं हो सकता।

(लूका १४।२६ पृ० १११)

कुटुम्बियों से घृणा का विरोध

अपने बाप और मां की इज्ज़त कर।

(इफ़िसियन ६।२ पृ० २८३)

अय शौहरो अपनी बीवियों से मुहब्बत करो क्योंकि कभी किसी ने अपने जिस्म से दुश्मनी नहीं की।

(इफ़िसियन ५।२५-२६ पृ० २८२)

जो कोई अपने भाई से अदावत रखता है वह खूनी है।

(१ युहन्ना ३।१५ पृ० ३४६)

४३. नशा पीने की आज्ञा

अम्साल ३१।६ ७ पृ० ७६५
इस्तिस्ना १४।२६ पृ० २४६
१ तिमुथियस ५।२३ ,, ३०५
जबूर १०४।१५ ,, ७३७
काजियो ६।१३ ,, ३२१

नशा पीने का विरोध

अम्साल २०।१ ,, ७८३
अम्साल २३।३१-३२ ,, ७८७ व ७८८

४४. राजा की आज्ञा मानना कर्त्तव्य है

रोमियों १३।१-२-३-६ पृ० २३२ व २३३
मती २२।२-३ ,, ३७
१ पटरस २।१३-१४ ,, ३३७
वाइज ८।५ ,, ८०३

राजो की अवज्ञा (कर्त्तव्य है) की आज्ञा

खुरूज १।१७-२० पृ० ७२ व ७३
डेनियल ६।६-७-१० ,, १०४१
डेनियल ३।१६-१८ ,, १०३६
आमाल ४।२६-२७ ,, १७५
मरकूस १२।३८-३६-४० पृ० ७२
लूका ६३।११-१४-३३-३५ पृ० १२७ व १२८

४५. स्त्री के अधिकार का निषेध

और अपने खसम की तरफ़ तेरा शौक़ होगा, और वह तुझ पर हुकूमत करेगा। (पैदाइश ३।१६ पृ० ८)

और मैं इजाजत नही देता कि औरत सिखाए, या मर्द पर हुकूमत चलाए, बल्कि चुपचाप रहे (१तिमुथियस २।१२ पृ० ३०३)

बल्कि ताबे रहे, जैसा कि तौरत में भी लिखा है।
(१ कुरन्थियों १४।३४ पृ० २५३)

चुनाचे साराह इब्राहीम के हुक्म में रहती और उसे खुदावन्द कहती थी (पतरस ३।६ पृ० ३२७)

स्त्री के अधिकार का समर्थन

उस वक्त लफ़ीदोत की जोरू दबूरा नबिया बनी इसराइल की हाकिम थी............तब दबूरा ने बरक को कहा कि उठ; क्योंकि यह वह दिन है, कि जिस में खुदावन्द ने सिसारा को तेरे हाथ में कर दिया है......तब खुदावन्द ने सिसारा को, और उसकी सारी रथों और उसके सारे लश्कर को तलवार की धार से बरक़ के सामने शिकस्त दी (क़ाज़ियों ४।४-१४-१५ पृ० ३१२)

सरगुरोह इसराइल में बाक़ी न रहे, वे बाक़ी न रहे जब तक मैं दबुरा बरपा न हुई, जब तक कि मैं इसराइल में मां होने को न उठी (क़ाज़ियों ५।७ पृ० ३१४)

और अपनी बन्दियों पर भी उन दिनों में अपनी रूह में से डालूंगा और वह नबव्वत करेंगी (आमाल २।१८ पृ० १७१)

उसकी चार बेटियां थीं जो नबव्वत करती थीं।

(आमाल २१।६ पृ० २०४)

४६. स्वामी की आज्ञा का आदेश

ऐ नौकरो, जो जिस्म के रू से तुम्हारे मालिक हैं, सब बातों में उनके फ़र्माबर्दार रहो। जो काम करो जी से करो यह जान कर कि खुदावन्द के लिए करते हो (कलस्सियों ३।२२-२३ पृ० २६३)

ऐ नौकरो बड़े खौफ़ से अपने मालिकों के तावे रहो न सिर्फ़ नेकों व हलीमों के बल्कि बदमिज़ाजों के भी।

(१ पटरस १८। पृ० ३३७)

केवल ईश्वर ही की आज्ञा माननी चाहिए

कि तू खुदावन्द अपने खुदा को सिजदा कर, और सिर्फ़ उसी की इबादत कर (मत्ती ४।१० पृ० ४)

आदमियों के गुलाम न बनो (१ करन्थियों ७।२३ पृ० २४४)

और न तुम हादी कहलाओ क्यों कि तुम्हारी हादी एक ही है। (मती २३।१० पृ० ३७)

४५. अक्षम्य पाप

लेकिन जो कोई रूहुल-कुदूस के हक़ में कुफ्र बके वह अबद तक मुआफ़ी न पाएगा। (मरकुस ३।२१ पृ० ५४)

कोई पाप अक्षम्य नहीं है

उन सब से हरेक ईमान लाने वाला उसके बायस बरी होता है (आमाल १३।३६ पृ० १६१)

ऐतिहासिक घटनाएं

४८. मनुष्य अन्य जानवरों के पश्चात् उत्पन्न हुआ

और खुदा ने जंगली जानवरों को उनकी जिसके मुवाफ़िक़

और मवेशियों को, उनकी जिसके मुवाफ़िक़ बनाया तब खुदा ने कहा कि हम इंसान को अपनी मानिन्द बनावें............और खुदा ने इंसान को अपनी सूरत पर पैदा किया।

(पैदाइश १।२५-२६-२७ पृ० ६)

मनुष्य अन्य जानवरों से पूर्व उत्पन्न हुआ

और खुदावन्द ने कहा कि अच्छा नहीं कि आदम अकेला रहे, मैं उसके लिए एक साथी उसकी मानिन्द बनाऊंगा और खुदावन्द खुदा ने मैदान के हर एक जानवर और आसमान के परिन्दों को ज़मीन से बनाकर आदम के पास पहुँचाया ताकि देखे कि वो उनके क्या नाम रखे (पैदाइश २।१८-१६ पृ० ७)

४६. नूह ने ईश्वर की आज्ञा से नाव में पवित्र जानवरों के सात सात के जोड़े लिए।

और खुदावन्द ने नूह से कहा.........सब पाक जानदारों में से सात सात नर और उनकी मादा ले..........और नूह ने उस सब के मुताबिक जो खुदावन्द ने फ़र्माया था, किया।

(पैदाइश ७।१-२-५ पृ० ११ व १२)

नूह ने केवल दो दो के जोड़े लिए

और पाक चारपायों में से........ दो दो नर और मादा नूह के पास किश्ती में दाखिल हुए जैसा कि खुदावन्द ने नूह को फ़र्माया था। (पैदाइश ७।८-६ पृ० १२)

५०. बोना और काटना बन्द न होगा

बल्कि जब तक ज़मीन है, बोना और लौना......मौक़ूफ़ न होंगे। (पैदाइश ८।२२ पृ० १३)

बोना और काटना सात वर्ष तक बन्द रहा

और सब ज़मीन में गिरानी हुई, और तमाम रूए ज़मीन पर काल था (पैदाइश ४१।५४-५६ पृ० ५८)

इसलिए कि दो बरस से ज़मीन पर काल है, और भी और पांच बरस तक न ज़मीन की हलवाही होगी, न खेती काटी जाएगी (पैदाइश ४५।६ पृ० ६४)

५१. ईश्वर ने फ़ऊ'न का हृदय कठोर कर दिया

लेकिन मैं उसके दिल को सख्त कर दूंगा कि वह उन लोगों को जाने न देगा (खुरूज ४।२१ पृ० ७६)

और खुदावन्द ने फ़ऊ'न के दिल को सख्त कर दिया।
(खुरूज ६।१२ पृ० ८२)

फ़ऊ'न ने अपना हृदय स्वयं कठोर किया

पर जब फ़ऊ'न ने देखा कि मुहलत मिली तो उसने अपना दिल सख्त किया और जैसा खुदावन्द ने कहा था उनकी न सुनी
(खुरूज ८।१५ पृ० ८०)

५२. मिस्र में तमाम घोड़े और मवेशी मर गए

तू देख कि खुदावन्द का हाथ तेरे मवेशी पर जो दश्त में हैं घोड़ों, गधों, ऊंटों, बैलों और भेड़ों पर होगा ...... और मिस्र के सब मवेशी मर गए (खुरूज ६ । ३-६ पृ० ८२)

मिस्र के सारे घोड़े नहीं मरे।

और मिस्र उनका पीछा किए चला गया और फ़ऊ'न के सारे घोड़ों और उसकी घोड़ियों और उसके सवारों और उसके लश्कर ने उनको खेमा खड़ा करते हुए दरिया पर...... जा ही लिया (खुरूज १४ । ६ पृ० ८६)

५३. युहन्ना ने यसू को मसीह मान लिया

दूसरे दिन उसने यीशु को अपनी ओर आते देख कर कहा, देखो यह खुदा का बर्रा है जो दुनियां का गुनाह उठा ले जाता है........ चुनाचे मैंने देखा और गवाही दी है कि यह खुदा का बेटा है (युहन्ना १ । २६-३४ पृ० १३२)

युहन्ना ने यसू को मसीह नहीं माना

और युहन्ना ने कैदखाने में मसीह के कामों का हाल सुनकर अपने शागिर्दों की मार्फत उससे पुछवा भेजा कि आने वाला तू ही है या हम दूसरे की राह देखें। (मती ११ : २-३ पृ० १६)

५४. युहन्ना ही इलियाह था

इलियाह जो आने वाला था यही है (मती ११ । १४ पृ०१६)

युहन्ना इलियाह नहीं था

उन्होंने उससे पूछा फिर कौन है ? क्या तू इलिया है ? उसने कहा मैं नहीं हूँ (युहन्ना १।२१ पृ० १३१)

५५. मर्यम के पति जोसफ़ का पिता याकूब था

और याकूब से यूसुफ़ पैदा हुआ वह इस मर्यम का शौहर था जिससे यीशु पैदा हुआ (मती १।१६ पृ० १)

मर्यम के पति का बाप हेली था

और यूसुफ़ का बेटा था और वह एलीका (लूक़ा ३।२३ पृ० ८६)

५६. बालक यीशू को मिस्र ले गए

बस वह उठा और रात के वक्त बच्चे और उसकी मां को साथ लेकर मिस्र को रवाना हो गया और हेरोदस के मरने तक वहीं रहा........जब हेरोदस मर गया .... पस वह उठा और बच्चे और उसकी मां को साथ लेकर इसराइल मुल्क में आ गया ....और नासरत नाम एक शहर में जा बसा (मती २।१४-१५-१६-२१-२३ पृ० ३)

बालक यीशू को मिस्र नहीं ले गए

फ़िर जब मूसा के शरियत के मुवाफ़िक़ उनके पाक होने के दिन पूरे हो गए तो वह उसको येरुशेलम में लाए ताकि खुदावन्द के आगे हाज़िर करें.........और जब वह खुदावन्द की शरअत

सब कुछ कर चुके·········तो अपने शहर नसरत को फिर गए (लूक़ा २।२२-३६ पृ० ८४ व ८५)

५७. यीशू को जंगल में बहकाया गया

और फ़िलफ़ौर रूह ने उसे बियाबान में भेज दिया और वह बियाबान में ४० दिन तक शैतान से आज़माया गया (मरकूस १।१२, १३ पृ० ५०)

यीशू जंगल में [illegible]हकाया गया

फिर तीसरे दिन काना एगलिल में एक शादी हुई और यीशू की मां वहां थी और यीशू और उसके शागिर्दों की भी उस शादी में दावत दी (युहन्ना २।१-२ पृ० १३३)

५८. यीशू ने अपना पहिला उपदेश पहाड़ पर बैठकर दिया

वह इस भीड़ को देखकर, पहाड़ पर चढ़ गया; और जब बैठ गया तो उसके शागिर्द उसके पास आए और वह अपनी जबान खोलकर उन्हें यूं तालीम देने लगा (मती ५।१-२ पृ० ५)

उसने अपना पहिला उपदेश मैदान में खड़े होके दिया

और वह उनके साथ उतर कर हम वार जगह पर खड़े हुए; और उसके शागिर्दों की बड़ी जमाअत और लोगों की बड़ी भीड़·········उसकी सुनने·······फिर उसने अपने शादिगों की तरफ़ नज़र करके कहा (लूक़ा ६।१७-२० पृ० ६२)

५९. जब यीशू गलिल में गया तो युहन्ना जेल में था

फिर युहन्ना के पकड़वाए जाने के बाद यीशू ने गलिल में आकर खुदा की खुशख़बरी की मनादी की। (मरकूस १।१४ पृ० ५०)

युहन्ना जेलमें नहीं था

दूसरे दिन यीशु ने गलिल में जाना चाहा (युहन्ना १।४३ पृ० १३२)

इन बातों के बाद यीशू और उसके शागिर्द यहूदिया के मुल्क में आए······और युहन्ना भी शालेम के नज़दीक ऐनन में बप्तिस्मा देता था ·········क्योंकि युहन्ना उस वक्त तक क़ैदखाने में न डाला गया था (युहन्ना ३।२२-२३-२४ पृ० १३५)

६०. दो अन्धों ने यीशू से विनती की

और देखो दो अन्धों ने जो राह के किनारे बैठे हुए थे यह सुनकर कि यीशु जा रहा है, चिल्लाकर कहा, ऐ खुदावन्द इब्ने दाऊद हम पर रहम कर (मती २०।३० पृ० ३२)

एक अन्धे ने ही विनती की

एक अन्धा राह के किनारे बैठा हुआ भीख मांग रहा था···· उसने चिल्लाकर कहा; अली यीशू इब्ने दाऊद मुझ पर रहम कर (लूक़ा १८।३५-३८ पृ० ११८)

६१. दो मनुष्य क़ब्रों से निकल कर यीशू से मिले

तो दो आदमी जिनमें बद रूहें थीं क़ब्रों से निकल कर उसे मिले (मती ८।२८ पृ० १२)

सिर्फ एक आदमी ही क़ब्र से निकल कर यीशू को मिला

एक आदमी जिसमें बद रूह थी क़ब्रों से निकल कर उसे मिला (मरकुस ५।२ पृ० ५६)

६२. एक सूबेदार ने यीशू से अपने नौकर को नीरोग करने की प्रार्थना की

तो एक सूबेदार उसके पास आया और उसकी मिन्नत करके कहा अली खुदावन्द मेरा खादिम फ़ालिज का मारा घर में पड़ा है और निहायत तकलीफ़ में है। (मती ८।५-६ पृ० ११)

सूबेदार ने नहीं बल्कि उसके नौकरों ने प्रार्थना की

उसने यहूदियों के कई बुजुर्गों को उसके पास भेजा और उससे दरख्वास्त की कि आकर मेरे नौकर को अच्छा कर वह

यीशू के पास आये और उसकी बड़ी मिन्नत करके उसे ले गए।

(लूक़ा ७। ३-४ पृ० ६३)

६३. यीशू को तीसरे घंटे फांसी दी गई

और पहर दिन चढ़ा था, जब उन्होंने उसको सलीब पर चढ़ाया। (मरकूस १५। २५। पृ० ७८)

यीशू को छठे घंटे तक फांसी न दी गई

यह फसह की तैयारी का दिन और छठे घंटे के क़रीब था.... ....क्या मैं तुम्हारे बादशाह को सलीब दूं।

(युहन्ना १६। १४-१५ पृ० १६४)

६४. उन दो चोरों ने यीशू को लान तान की

इसी तरह डाकू भी, जो उसके साथ सलीब पर चढ़ाए गए थे, उस पर लान तान करते हैं। (मती २७। ४४। पृ० ४७)

और जो उसके साथ सलीब पर चढ़ाये गए थे, वह उस पर लान तान करते थे। (मरक़ूस १५। ३२ पृ० ७८)

केवल एक ने यीशू को लान तान की

फिर जो बदकार सलीब पर चढ़ाए गए थे; उनमें से एक उसे यूं ताना देने लगा......मगर दूसरे ने उसे झिड़क कर जवाब दिया क्या तू खुदा से भी नहीं डरता हालांकि उसी सज़ा में गिरफ़्तार है। (लूक़ा २३। ३६-४० पृ० १२८)

६५. यहूदा ने चांदी के रुपये वापिस कर दिये

जब उसके पकड़वाने वाले यहूदा ने यह देखा कि वह मुजरिम ठहराया गया तो पछताया और वह तीस रुपए सर्दार काहिनों और बुजुर्गों के पास फेर लाया। (लूक़ा २७। ३ पृ०४६)

यहूदा ने रुपये वापिस नहीं किये

उसने बदकारी की कमाई से एक खेत हासिल किया।

(आमाल १। १८। पृ० १७०)

६६. यहूदा ने अपने को आप ही फांसी दी

और वह रुपयों को मक़दिस में फेंक कर चला गया और आकर अपने आपको फांसी दी। (मती २७। ५ पृ० ४६)

अपने आपको फांसी नहीं दी किन्तु अन्य ढंग से मरा

और सिर के बल गिरा और उसका पेट फट गया और उसकी सारी अन्तड़ियां निकल पड़ी।

६७. कुम्हार के खेत को यहूदा ने ख़रीदा था

उसने बदकारी की कमाई से एक खेत हासिल किया।
(आमाल १। १८ पृ० १७०)

सर्दार काहिनों ने कुम्हार के खेत को ख़रीदा

सदार काहिनों ने रुपया लेकर······कुम्हार के खेत को ख़रीदा। (मती २७। ६। ७। पृ० ४६)

६८. केवल एक स्त्री क़ब्र पर आई

हफ़्ते के पहले दिन मर्यम मक़्दालीन ऐसे तड़के कि अभी अन्धेरा ही था क़ब्र पर आई। (युहन्ना २०। १ पृ० १६६)

दो स्त्रियां क़ब्र पर आईं

और सबद के बाद हफ़्ते के पहिले दिन पौ फटे वक्त मर्यम-मक़्दालीन और दूसरी मर्यम क़ब्र को देखने आईं।
(मती २८। १ पृ० ४८)

६९. तीन स्त्रियां क़ब्र पर आईं

जब सबद का दिन गुज़र गया तो मर्यम मक़्दालीन और याकूब की मां मर्यम और सलोम ने खुशबूदार चीज़ मोल ली ताकि आकर उस पर मलें। (मरक़ुस १६। १ पृ० ७६)

तीन औरतों से ज्यादा क़ब्र पर आईं

वह मर्यम मक़्दालिया और युअन्ना, याकूब की मां मर्यम और उनके साथ की बाकी औरतें थी। (लूका १४।१० पृ० १२६)

७०. सूर्योदय के समय वे क़ब्र पर आईं

वह हफ़्ते के पहिले दिन बहुत सबेरे जब सूरज निकला ही था कब्र पर आईं। (मरक़ुस १६। २ पृ० ७६)

सूर्योदय से कुछ पूर्व का समय था जब वे आईं

हफ़्ते के पहले दिन मर्यम मक़दालीन ऐसे तड़के कि अभी अन्धेरा ही था कब्र पर आईं। (युहन्ना २०। १ पृ० १६६)

७१. क़ब्र के निकट दो फ़रिश्ते खड़े हुए दिखाई दिए

और ऐसा हुआ कि जब वह इस बात से हैरान थीं तो देखो दो शख्स बर्राक़ पौशाक पहिने उनके पास आ खड़े हुए।

(लूका २४। ४ पृ० १२६)

केवल एक फ़रिश्ता दिखाई दिया और वह बैठा हुआ था

क्योंकि खुदा का फ़रिश्ता आसमान से उतरा और पास आकर पत्थर को लुढ़का दिया और उस पर बैठ गया······फ़रिश्ते ने औरतों से कहा कि तुम मत डरो। (मती २८। २-५ पृ० ४६)

७२. दो फ़रिश्ते क़ब्र के अन्दर दिखाई दिए

और जब रोती २ कब्र की तरफ झुकी और अन्दर नज़र की तो दो फरिश्तों को सफेद पौशाक पहिने हुए देखा।

(युहन्ना २०। ११-१२ पृ० १६६)

केवल एक फ़रिश्ता क़ब्र के अन्दर दिखाई दिया

और कब्र के अन्दर जाके उन्होंने एक जवान को सफेद जामा पहिने हुए दाहिनी तरफ बैठे देखा। (मरकस १६। ५। पृ० ७६)

जो एक फ़रिश्ता दिखाई दिया वह क़ब्र से बाहिर था

क्योंकि खुदावन्द का फरिश्ता आसमान से उतरा और पास आकर पत्थर को लुढ़का दिया और उस पर बैठ गया।

(मती २८। २ पृ० ४८)

७३. स्त्रियां गई और उन्होंने यीशू के शागिर्दों को उसके मर कर जी उठने के बारे में कहा

और वे खौफ और बड़ी खुशी के साथ कब्र से जल्द रवाना होकर उसके शागिर्दों को खबर देने दौड़ीं।

(मत्ती २८। ८। पृ० ४६)

और कब्र से लौट कर उन्होंने उन ग्यारह और बाकी सब लोगों को इन सब बातों की खबर दी। (लूका २४। ६ पृ० १२६)

स्त्रियां न गई और शागिर्दों को नहीं कहा

और वह निकलकर कब्र से भाग गयीं, क्योंकि लर्जिश और हैब उन पर ग़ालिब आई थी और उन्होंने किसी से कुछ ना कहा, क्योंकि डरती थीं (मरकूस १६।८ पृ० ७६)

७४. पतरस और युहन्ना के कब्र को देखने के बाद फ़रिश्ते दिखाई दिए।

पस पटरस और वह दूसरा शागिर्द निकल कर कब्र की तरफ़ चले.........और उसने कब्र के अन्दर जाके देखा कि सूती कपड़े पड़े हैं........ पस यह शागिर्द अपने घर को वापिस गए लेकिन मर्यम बाहर क़ब्र के पास खड़ी रोती रही और जब रोती-रोती कब्र की तरफ़ झांकी, अन्दर नजर की तो दो फरिश्तों को सफेद पौशाक पहिने हुए देखा (युहन्ना २०।३-६-१०-१२ पृ० १६६)

फ़रिश्ते दिखाई दिए पूर्व इसके कि पतरस अकेले ने कब्र को देखा।

तो देखो दो शख्स बर्क़ि पौशाक पहिने उनके पास आ खड़े हुए... .....और (वे) कब्र से लौटकर उन्होंने ग्यारह और बाकी सब लोगों को इन बातों की खबर दी... .....इस पर पटरस उठकर कब्र तक दौड़ा गया और झांक कर नजर की और देखा

कि सिर्फ़ कफ़न ही कफ़न है और इस माजरे से ताज्जुब करता हुआ अपने घर चला गया। (लूका २४।४-८-६-१२ पृ० १२६

७५. केवल मर्यम मक़दालीन को यीशू पहिले दिखाई दिया।

यह कह कर वह पीछे फिरी और यीशू को खड़े देखा और न पहिचाना कि यह यीशू है। (युहन्ना २०।१४ पृ० १६६)

हफ्ते के पहिले रोज़ जब वह सवेरे जी उठा तो पहिले मर्यम मकदालीन दिखाई दी (मरकूस १६।८ पृ० ७६)

दो मर्यमों को यीशू पहिले दिखाई दिया

और देखो, यीशू उन्हें मिला और कहा सलाम। उन्होंने पास आकर कदम पकड़े और उसे सिजदा किया (मती २८।६ पृ० ४६)

वह किसी भी मर्यम को दिखाई नहीं दिया

(लूक़ा २४।४० पृ० १३०)।

७६. यीशू को कब्र में तीन रात और तीन दिन रहना था।

वैसे ही इब्ने आदम तीन रात दिन ज़मीन के अन्दर रहेगा (मती १२।४० पृ० १८)

वह कब्र में केवल दो दिन और दो रात था

और पहर दिन चढ़ा था जब उन्होंने उसे सलीब पर चढ़ाया ....तो इसलिए कि तैयारी का दिन था जो सब्द से एक दिन पहिले होता है.........और पीलाटस ने.........लाश यूसुफ़ को दिला दी...... और उसने उसे एक कब्र में रखा ....हफ्ते के पहिले रोज़ जब वह सवेरे जी उठा तो पहिले मर्यम मक़दलिनी को देखा (मरकूस १५।४२ ४४-४५।४६ व १६।की ६ पृ० ७१)

७७. रूहुल-कुद्स पिन्ते कुस्त पर अर्पण किया गया

लेकिन जब रूहुल-कुद्स तुम पर नाजिल होगा, तो तुम कूवत पाओगे..........मगर तुम थोड़े दिनों के बाद रूहुल कुद्स से बपितस्मा पाओगे (आमाल १।८-५ पृ० १६६)

जब ईदे पिन्तेकुस्त का दिन आया तो वह सब एक जगह (इकट्ठे) जमा थे और वे सब रूहुल-कुद्स से भर गए।

(आमाल २।१-४ पृ० १७०)

रूहुल कुद्स पिन्ते कुस्त से पहिले अर्पण किया गया

और यह कह कर उन पर फूंका और उनसे कहा कि रूहुल कुद्स लो। (युहन्ना २०।२२ पृ० ६७)

७८. कब्र से निकल आने के तुरन्त बाद शागिर्दों को गलिल में जाने का आदेश दिया गया।

इस पर यीशू ने उनसे कहा, डरो नहीं, जाओ मेरे भाइयों को खबर दो ताकि गलिल को चले जाएं वहां मुझे देखेंगे।

(मती २८।१० पृ० ४६)

कब्र से निकल आने के तुरन्त बाद येरुशलम में रुकने का आदेश दिया।

जब तक आलम-ए-बाला पर से तुम को कूवत का लिबास न मिले, इस शहर में ठहरे रहो (लूक़ा २४।४६ पृ० १३०)

७६. येरूशलम के कमरे में ११ शागिर्दों को पहिले दिखाई दिया।

पस वह उसी घड़ी उठकर येरुशलम को लौट गए, और उन ग्यारह और उनके साथियों को इकट्ठा पाया........वह यह बातें कर ही रहे थे कि यीशू आप उनके बीच में आ खड़ा हुआ......मगर उन्होंने घबराकर और खौफ़ खाकर यह समझा कि किसी रूह को देखते हैं। (लूका २४।३३-३६-३७ पृ० १३०)

फिर उसी दिन जो हफ्ते का पहिला दिन था, शाम के वक्त जब वहां के दरवाजे जहां शागिर्द थे यहूदियों के डर से बन्द थे ....यीशू आकर बीच में खड़ा हुआ (युहन्ना २०।१६ पृ० १६७)

गेलिल के पहाड़ पर उन्हें पहिले दिखाई दिया

और ग्यारह शागिर्द गलिल के उस पहाड़ पर गए, जो यीशू ने उनके लिए मुकर्रर किया था, और उसे देखकर सिजदा किया, मगर बाज ने शक किया (मती २८।१६-१७ पृ० ४६)

८०. ओलिवेट पहाड़ से यीशू ऊपर चढ़ा

यह कह कर वह उनके देखते देखते ऊपर उठा लिया गया। और बदली ने उसे उनकी नजरों से छिपा लिया.........तब वह उस पहाड़ से जो जैतून का कहलाता है और येरूशलम के नजदीक, सबद की मंजिल के फासिले पर है येरूशलम को फिरा (आमाल १।६-१२ पृ० १६६)

वह बेथिनी से चढ़ा

फिर वह उन्हें बैतनयाह के सामने तक बाहर ले गया, और अपने हाथ उठाकर उन्हें बरकत दी जब वह उन्हें बरकत दे रहा था तो ऐसा हुआ कि उनसे जुदा हो गया और आसमान पर उठाया गया। (लूका २४।५०-५१ पृ० १३०)

क्या वह किसी भी स्थान से ऊपर चढ़ा पौलूस

फिर पीछे वह उन ग्यारह को भी, जब खाना खाने बैठे थे, दिखाई दिया और उनकी बेइतक़ादी और सख्त दिली पर मलामत की......गरज खुदावन्द यीशू उनसे कलाम करने के बाद आसमान पर उठाया गया। (मरकूस १६।१४-१६ पृ० ८०)

८१. पौलूस के साथियों ने आवाज़ सुनी और खामोश खड़े रहे

जो आदमी उसके हमराह थे, वह खामोश खड़े रह गए

क्योंकि आवाज़ तो सुनते थे मगर किसी को देखते नहीं थे।

(आमाल ६ । २० पृ० १८३)

उसके साथियों ने आवाज़ नहीं सुनी और वे दण्डवत् कर रहे थे

और मेरे साथियों ने नूर तो देखा और डर गए लेकिन जो मुझ से बोलता था उसकी आवाज़ न सुनी।

(आमाल २२ । ६ पृ० २०६)

जब हम सब ज़मीन पर गिर पड़े तो मैंने इब्रानी ज़बान में यह सुना। (आमाल २६ । १४ पृ० २१२)

८२. इब्राहीम कैनान में जाने को विदा हुआ

और इब्राहीम अपनी जोरू सरी और अपने भतीजे लूत···
···कनान के मुल्क में जाने के लिए निकला।

(पैदाइश २ । ५ । पृ० १७)

इब्राहीम जानता नहीं था कि कहां जाए

ईमान ही के सबब से इब्राहीम जब बुलाया गया तो हुक्म मान कर उस जगह चला गया, जिसे निरास में लेने वाला था, और अगरचे न जानता था कि मैं कहां जाता हूँ ताहमखाना हो गया। (इब्रानियों ११ । ८ । पृ० ३२५)

८३. इब्राहीम के दो बेटे थे

यह लिखा है कि इब्राहीम के दो बेटे थे, एक लौंडी से और दूसरा आज़ाद से। (ग़लतियों ४ । २२ पृ० २७५)

इब्राहीम के केवल एक बेटा था

ईमान ही से इब्राहीम ने आज़माइश के वक्त इज़हाक़ की नज़र गुज़राना और जिसने वादों को सच मान लिया था, वह उस इकलौते को नज़र करने लगा। (इब्रानियों ११ । १७ । ३२६)

८४. कतूरा इब्राहीम की पत्नि थी

इब्राहीम ने एक और जोरू की, जिसका नाम क़तूरा था।

(पैदाइश २५ । १ पृ० ३३)

कतूरा इब्राहीम की औरत नहीं थी

और इब्राहीम की हरम कतूरा के बेटे ये हैं।

(१ तवारीख १ । ३२ पृ० ५ २)

८५. अबेज़िया २१ वर्ष का था जब उसने राज्य करना प्रारम्भ किया और अपने बाप जेहोरम से १८ साल छोटा था

(२ सलातीन ८। ७-२४ २६- पृ० ६८२)

अबेज़िया ४२ वर्ष का था जब उसने राज्य करना प्रारम्भ किया। अपने बाप से दो वर्ष बड़ा

(२ सलातीन २१।२० पृ० ५०४ व २२। बाब १।२ आयत पृ० ५०५)

८६. मिकेल निस्सन्तान थी

सो साऊल की बेटी मिकेल मरते दम तक ला औलाद रही।

(२ सेमुअल ६। २३ । पृ० ३१८)

मिकेल के पांच बच्चे थे

और सऊल की बेटी मिकेल के पांच बेटे थे।

(२ सेमुअल २१ । ८ पृ० ४२०)

८७. दाऊद को लोगों की गिनती के लिए ईश्वर ने प्रेरणा की

(२ सेमुअल २४ । १ पृ० ४२५)

दाऊद को, शैतान ने, लोगों के गिनने की प्रेरणा दी

(१ तवारीख २१ । १ । पृ० ५३७)

८८. इसराइल के आठ लाख लड़ाका थे और यहूदा के पांच लाख

(२ सेमुअल २४ । ६ । पृ० ४२५)

इसराइल के ११ लाख व यहूदा के ४ लाख ७० हज़ार लड़ाके थे

(१ तवारीख २१ । ५ । पृ० ५३७)

८६. दाऊद ने ७०० सीरिया के रथियों को ४०००० सवारों को क़त्ल किया

(२ सेमुअल १० । १८ । पृ० ४०२)

सीरिया के ७००० गाड़ीवानों और ४०००० पैदलों को दाऊद ने मारा

(१ तवारीख १६ । १८ । पृ० ५३६)

६० दाऊद ने खलिहान के लिए ५० चांदी के सिक्के दिए

तब बादशाह ने अरोनाह से कहा, यूं नहीं, बल्कि मैं कीमत दे के उसको तुझ से मोल लूंगा, और मैं उन चीजों को ले के कि जिन पर मेरा कुछ खर्च न हो, खुदावन्द अपने खुदा को सोख्तनी कुर्बानी न चढ़ाऊंगा सो दाऊद ने वह खलिहान और बैल पचास मिसकाल चांदी दे के मोल लिया।

(२ सेमुअल २४ । २४ । पृ० ४२६)

दाऊद ने ६ हज़ार सोने के सिक्के खलिहान के लिए दिए

सो दाऊद ने उरना को उस जगह के लिए छः सौ मिसकाल सोना दिया। (१ तवारीख २१ । २५ पृ० ५३८)

६१. गोलियथ दाऊद से क़त्ल किया गया

(१ सेमुअल १७ । ४-५० । पृ० ३६८ और ३७०)

गोलियथ इलहानन से क़त्ल किया गया
(२ सेमुअल २१ । १६ । पृ० ४२१)

काल्पनिक सिद्धान्त

६२. यीशू ईश्वर के समान है

मैं और बाप एक हैं। (युहन्ना १० । ३० । पृ० १५०)
उसने अगरचे खुदा की सूरत पर था, खुदा के बराबर होने को कब्जे में रखने की चीज़ न समझा।
(फिलिपियों २ । ६ । पृ० २८६)

यीशू ईश्वर के समान नहीं है

क्योंकि बाप मुझ से बड़ा है। (युहन्ना १४ । २८ । पृ० १५८)
लेकिन उस दिन और उस घड़ी की बाबत कोई नहीं जानता, ना आसमान के फरिश्ते, ना बेटा, मगर सिर्फ बाप !
(मती ३४ । ३६ पृ० ४०)

६३. यीशू ने मनुष्य की जांच की

क्योंकि बाप किसी की अदालत भी नहीं करता, बल्कि उसने अदालत का सारा काम बेटे के सुपुर्द किया है...... जैसा सुनता हूँ अदालत करता हूँ। (युहन्ना ५ । २२-२३ । पृ० १३८ व १३९)

यीशू ने मनुष्य की जांच नहीं की

मैं किसी का फैसला नहीं करता। (युहन्ना ८ । १५ पृ० १४५)
अगर कोई मेरी बातें सुनकर उनपर अमल न करे तो मैं उस को मुजरिम नहीं ठहराता क्योंकि मैं दुनियां को मुजरिम ठहराने नहीं बल्कि दुनियां को निजात देने आया हूँ।
(युहन्ना १२ । ४७ । पृ० १५५)

६४. यीशू सर्वशक्तिमान है

आसमान और जमीन का कुल अख्त्यार मुझे दिया गया है,
(मती २८ । १८ पृ० ४६)

बाप बेटे से मुहब्बत रखता है और उसने सब चीजें उसके हाथ में दे दी हैं। (युहन्ना ३ । ३५ पृ० ३५)

यीशू सर्वशक्तिमान नहीं है

और वह कोई मौजज़ा वहां न दिखा सका, सिवा इसके कि थोड़े से बीमारों पर हाथ रख कर उन्हें अच्छा कर दिया।
(मरकस ६ । ५ पृ० ५८)

६५. ईस्वी प्रबन्ध से शरियत रद्द की गई

शरियत और अम्बिया युहन्ना तक रहे; उस वक्त से खुदा की बादशाहत की खुशखबरी दी जाती है (लूका १६।१६ पृ० ११४)

चुनाचे उसने अपने जिस्म के ज़रिए से, दुश्मनी यानि वह शरियत जिसके हुक्म से जाबितों के तौर पर थे मौकूफ़ कर दी।
(एफिसियन २।१५ पृ० २७६)

लेकिन अब हम शरियत से छुट गए (रोमियों ७।६ पृ० २२४)

ईस्वी प्रबंध से शरियत रद्द न की गई

यह न समझो कि मैं तोरेत या नबियों की किताबों को मन्सूख करने आया हूं, मन्सूख करने नहीं बल्कि पूरा करने आया हूं क्योंकि मैं तुमसे सच कहता हूं कि जब तक आसमान और ज़मीन टल न जाएँ एक नुक्ता या एक शोशा तौरेत से हर्गिज़ न टलेगा, जब तक सब कुछ पूरा न हो जाए, पास जो कोई इन छोटे से छोटे हुक्मों में से भी किसी को तोड़ेगा और यही आदमियों को सिखलाएगा वह आसमान की बादशाहत में सबसे छोटा कहलाएगा (मती ५।१७-१८-१९ पृ० ६)

९६. यीशू का उद्देश्य शान्ति था

और यकायक उस फ़रिश्ते के साथ आसमानी लश्कर का एक गिरोह खुदा की हमद करता और यह कहता ज़ाहिर हुआ कि आलमेबाला पर खुदा की तमजीद हो और ज़मीन पर उन आदमियों में जिन से वह राज़ी है, सुलह।

(लूक़ा २।१३-१४ पृ० ८४)

और ऐ लड़के तू खुदा ताला का नबी कहलाएगा......ताकि उनको जो अंधेरे और मौत के साए में बैठे हैं। रौशनी बख्शे।

(लूक़ा १।७६-७९ पृ० ८३)

और वह इस नाम से कहलाता है.........सलामती का शहज़ादा (यसायाह ९।६ पृ० ८२१)

यीशू का उद्देश्य शान्ति नहीं था

यह न समझो कि मैं ज़मीन पर सुलह करने आया, सुलह करने नहीं बल्कि तलवार चलवाने आया हूँ (मती १०।३४ पृ० १५)

मैं ज़मीन पर आग डालने आया हूँ (लूक़ा १२।४९ पृ० १०८)

९७. यीशू ने मनुष्य से प्रमाण प्राप्त नहीं किया

तुमने युहन्ना के पास पयाम भेजा और उसने सचाई की गवाही दी है (युहन्ना ५।३३-३४ पृ० १३९)

यीशू ने मनुष्य से प्रमाण प्राप्त किया

और तुम भी मेरे गवाह हो क्योंकि शुरू से मेरे साथ हो।

(युहन्ना १५।२७ पृ० १५९)

९८. यीशू की अपने लिए गवाही अच्छी है

एक तो मैं खुद अपनी गवाही देता हूँ.........अगरचे मैं अपनी गवाही आप देता हूँ तो भी मेरी गवाही सच्ची है।

(युहन्ना ८।१८-१४ पृ० १४५)

यीशू की अपने लिए गवाही सच्ची नहीं

अगर मैं खुद अपनी गवाही दूं तो मेरी गवाही सच्ची नहीं। (युहन्ना ५।३१ पृ० १३६)

९९. यीशू का मारना यहूदियों के लिए रवां था

यहूदियों ने उसे जवाब दिया, कि हम अहलेशरअत हैं और शरअत के मुवाफ़िक वह क़त्ल के लायक़ है।

(युहन्ना १९।७ पृ० १६४)

यहूदियों के लिए रवां नहीं था कि वे यीशू को मारें

यहूदियों ने उससे कहा, कि हमें यह रवां नहीं कि किसी को जान से मारें (युहन्ना १८।३१ पृ० १६३)

१००. बच्चे अपने माता पिता के कर्मों का दण्ड भोगेंगे।

क्योंकि ख़ुदावन्द मैं तेरा खुदा गय्यूर खुदा हूं और बाप-दादों की बदकारियां उनकी औलाद पर जो मुझसे अदावत रखते हैं, तीसरी और चौथी पुश्त तक पहुँचाता हूं।

(खुरूज २०।५ पृ० ६७)

लेकिन बे सबब इसके कि तेरे इस काम के करने से खुदावन्द के दुश्मनों ने कुफ़्र बकने का बड़ा दाव पाया, यह लड़का भी जो तेरे लिए पैदा होगा मर जाएगा। (२ सेमुअल १२।१४ पृ० ४०४)

बच्चे अपने माता पिता के लिए दण्ड नहीं भोगेंगे

बेटा बाप की बदकारी का बोझ नहीं उठाएगा।

(हिज़ेकियल १८।२० पृ० ६८४)

ना बाप दादों के बदले औलाद क़त्ल की जाएं।

(इस्तिस्ना २८।१६ पृ० २५८)

१०१. मनुष्य केवल विश्वास से जांचा जाएगा

क्योंकि शरियत के आमाल से कोई बशर उसके हुजूर रास्त-बाज़ नहीं ठहरेगा। (रोमियों ३।२० पृ० २२०)

ताहम यह जानकर कि आदमी शरियत के आमाल से नहीं बल्कि सिर्फ़ यीसू मसीह पर ईमान लाने से रास्तबाज़ ठहरता है।
(ग़लतियों २।१६ पृ० २७३)

और यह बात ज़ाहिर है कि शरियत के वसीले से कोई शख्स खुदा के नज़दीक रास्तबाज़ नहीं ठहरता क्योंकि लिखा है कि रास्तबाज़ ईमान से जीता रहेगा। (ग़लतियों ३।११ पृ० २७३)

क्योंकि अगर इब्राहीम अमल से रास्तबाज ठहराया जाता तो उसको फ़क्र की जगह होती। (रोमियो ४।२ पृ० २२१)

मनुष्य केवल विश्वास से न जांचा जाएगा

तो क्या इब्राहीम आमाल रास्तबाज़ न ठहरा.........पस तुमने देख लिया कि इन्सान सिर्फ़ ईमान ही से नहीं बल्कि अमल से रास्तबाज़ ठहरता है। (याकूब २।२१-२४ पृ० ३३२)

बल्कि शरियत पर अमल करने वाले रास्तबाज ठहराए जाएंगे। (रोमियों २।१३ पृ० २१८)

१०२. ईश्वर की कृपा से गिर जाना असम्भव है

और मैं उन्हें हमेशा की जिन्दगी बख़शता हूं और वे अबद तक कभी हलाक़ न होंगी और कोई उन्हें मेरे हाथ से छीन न लेगा। (युहन्ना १०।२८ पृ० १५०) ·

उससे हमको न मौत जुदा कर सकेगी, ना जिन्दगी, न फ़रिश्ते, न हुकूमतें, न हाल की, न इस्तक़बाल की चीजें, न कुदरतें, न बलन्दी, न पस्ती, न कोई और मखलूक़।
(रोमियों ८।३८-३९ पृ० २२७)

ईश्वर की कृपा से गिर जाना सम्भव है

फिर अगर सादिक़ अपनी सदाक़त से बाज़ आवे, और गुनाह करे. और उन सारे घिनौने कामों के मुताबिक़, जो शरीर करता है करे। तो क्या वह जिएगा ? उसकी सारी सदाकत जो उसने की याद न होगी। वह अपने गुनाहों में जो उसने किए और उसकी खेतों में जो उसने किए उन्हीं में वह मरेगा।

(हैजेकियल १८।२४)

क्योंकि जिन लोगों के दिल में एक बार रौशन होगए और वह आसमानी बख़शीश का मजा चख चुके और रूहुल कुद्स में शरीक होगए और खुदा के उम्दा कलाम, और आयन्दा जहां कि कुव्वतों का जायका ले चुके अगर वह बर्गश्ता हो जाएं तो उन्हें तौवा के लिए नया वनाना नामुमकिन है, इसलिए कि वह खुदा के वेटे को अपनी तरफ़ से दुवारा सलीब देकर एलानिया जलील करते हैं। (इब्रानियों ६।४-५-६ पृ० ३१६)

और जब वे खुदावन्द और मुंजी यीशु मसीह की पहचान के सबब दुनियां की............छुट कर, फिर उनमें फंस, और उनसे मगलूब हुए तो उनका पिछला हाल पहिले से भी बदतर हुआ। क्योंकि रास्तबाजी की राह का न जानना उनके लिए इससे बेहतर होता कि उसे जानकर उस पाक हुक्म से फिर जाते जो उन्हें सौंपा गया था। (२ पटरस २।२०-२१ पृ० ३४२)

१०३. कोई आदमी बे गुनाह नहीं है

कौन कह सकता है कि मैंने अपने दिल को साफ़ किया है, मैं गुनाह से पाक हूं (अम्साल २०।६ पृ० ७८४)

क्योंकि कोई ऐसा आदमी नहीं जो खताकार न हो।

(१ सलातीन ८।४६ पृ० ४४३)

इसलिए कि कोई इन्सान जमीन पर ऐसा सादिक़ नहीं, कि नेकी करे और खता न करे। (वाइज ७।२० पृ० ८०२)

कोई रास्तबाज़ नहीं है एक भी नहीं है।

(रोमियों ३।१० पृ० २२०)

ईसाई बे गुनाह हैं

जो कोई खुदा से पैदा हुआ है वह गुनाह नहीं करता......
जो कोई उसमें क़ायम रहता है वह गुनाह नहीं करता........
जो शख्स गुनाह करता है वह इब्लीस से है।

(१ युहन्ना ३।६-६-८ पृ० ३४६)

१०४. मुर्दे क़ब्र से उठाए जाएंगे

नरसिंगा फुकेगा और मुर्दे गैरफ़ानी हालत में उठेंगे।

(१ करन्थियों १५।५२ पृ० २५६)

फिर मैंने छोटे बड़े सब मुर्दों को उस तख्त के सामने खड़े हुए देखा............और उनमें से हर एक के अमाल के मुताबिक़ मर्दों का इंसाफ किया गया। (मुकाश्फ़ा २०।१२-१३ पृ० ३७२)

इससे ताज्जुब न करो, क्योंकि वह वक्त आता है कि जितने क़ब्रों में हैं उसकी आवाज़ सुनकर निकलेंगे।

(यूहन्ना ५।२८ पृ० १.६)

और अगर मर्द नही जी उठें तो तो मसीह भी नहीं जी उठा

(१ कुरन्थियों १५।१६ पृ० २५४)

मुर्दे क़ब्र से नहीं उठाए जाएंगे

पर मुर्दे कुछ भी नहीं जानते क्योंकि उनकी यादगारी जाती रहती है। (वाइज़ ६।५ पृ० ८०४)

जिस प्रकार बदली जाती रहती और ग़ायब हो जाती है इसी तरह जो गोर में उतरा फिर ऊपर न आवेगा।

(अयूब ७।६ पृ० ६४३)

वे मर गए फिर न जिएंगे, वे रिहलत कर गए, फिर न उठेंगे। (यसायाह २८।१४ पृ० ८३६)

१०६. सज़ा और जज़ा यहीं दी जाएगी

देख सादिक़ को ज़मीन पर बदला दिया जाएगा, तो कितना ज्यादा शरीर और गुनाहगार को। (अम्साल ११।३१ पृ० ७७४)

सज़ा और जज़ा दूसरी दुनियां में दी जाएगी

और जिस तरह उन किताबों में लिखा हुआ था उनके आमाल के मुताबिक़ मर्दों का इंसाफ़ किया गया।

(मुकाश्का २०।१२)

उस वक्त हर एक को उसके कामों के मुवाफ़िक़ बदला दिया जाएगा। (मती १६।२७ पृ० २७)

ताकि हर शख्स अपने कामों का बदला पाए जो उसने बदन के वसीले से किए हों, ख्वा भले हों ख्वा बुरे।

(२ कुरन्थियों ५।१० पृ० २६१)

१०७. तमाम मनुष्यों के भाग्य में नष्ट होना है।

मैं रहिम ही में मर क्यूं न गया पेट से निकलते ही मैंने जान क्यों न दी.........कि अब तो मैं चुपचाप पड़ा रहता और चैन में होता, मैं सोया रहता और आराम करता बादशाहों और मुल्क के मशारों के साथ जिन्होंने वे मकान जो कि वीरान हैं, अपने लिए बनाए, या उन अमीरों के साथ जो सोने का माल रखते थे और चांदी से अपने घरों को भरते थे या मैं हुआ न होता, उस हमल की मानिन्द, जो छिपके गिरा है या उन बच्चों की मानिन्द जिन्होंने उजाला नहीं देखा वहां शरीर सताने से बाज़ आते और थके मांदे चैन में हैं। छोटे बड़े वहां एक साथ हैं और गुलाम अपने आक़ा से आज़ाद है। रोशनी उसको जो परेशानी में है क्यों बख्शी जाती, और जिन्दगी उनको जो शिकस्त खातिर हों ? वे मौत की राह देखते है पर वह नहीं आती और गड़े हुए खज़ाने की बनिस्बत ज्यादा आरज़ू के साथ उसके लिए खोदते हैं। वे तो गोर में जाते हुए निहायत खुशवक्त

होते हैं और बारा बारा होते जाते (अयूब ३।११-१२ से १७-१६ से २१ पृ० ६४०)

पर मरे कुछ भी नहीं जानते.........क्योंकि वहां गोर में जहां तू जाता है न काम है, न मन्सूबा न आगाही, न हिकमत है। (वाइज् ६।५-६ पृ० ८०४)

क्योंकि जो बनी आदम पर गुज़रता, सो हैवान पर गुज़रता, एक ही हादसा दोनों पर गुज़रता है। जिस तरह यह मरता है उस ही तरह वह मरता है, हां सब में एक ही सांस है और इंसान को हैवान पर फाकियत नहीं क्योंकि सब ......है......... सबके सब एक ही जगह जाते हैं। (वाइज् ३।१६-२० पृ० ७६६)

कुछ मनुष्यों के भाग में अनन्त दुःख है

और यह हमेशा की सज़ा पाएंगे। (मती २५।४६ पृ० ४२)

और उनका गुमराह करने वाला इबलीस आग और गंधक की उस झील में डाला जाएगा जहां वह हैवान और झूठा नबी भी होगा और वह रात दिन अब्दुल आबाद अज़ाब में रहेंगे .... और जिस किसी का नाम किताबे हयात में लिखा हुआ न मिला वह आग की झील में डाला गया।

(मुखश्फ़ा २०।१०-१५ पृ० ३७१ और ३७२)

और उनके अज़ाब का धुआं अबदुल आबाद उठा रहेगा।

(मुखश्फ़ा १४।११ पृ० ३६५)

और उनमें से बहुतेरे जो ज़मीन पर खाक में सो रहे हैं, जाग उठेंगे बाजे हयाते अबदी के लिए और बाजे रुसवाई और जिल्लते अबदी के लिए। (दानियल १२।२ पृ० १०५१)

(१०८) पृथ्वी नष्ट की जाएगी

और ज़मीन और उस पर के काम जल जाएंगे (२ पतरस ३। १० पृ० ३४३) (इब्रानियों १।११ पृ० ३१५)

(मुकाश्फ़ा २०।११ ,, ३७२)

पृथ्वी कभी नष्ट नहीं होगी

उसने जमीन को उसकी बुनियादों पर बनाया कि उसे कभी अबदुल आबाद जुम्बिश नहीं (जबूर १०४।५ पृ० ७३७)

पर जमीन हमेशा कायम रहती है (जबूर १।४ पृ० ७६६)

(१०९) नेक लोगों को कोई हानि नहीं पहुँचेगी

सादिक पर कोई बुरा हादसा न पड़ेगा (अम्साल १२।२१ पृ० ७७६) (१ पतरस ३।१३ पृ० ३३८)

नेक लोगों को हानि पहुंचेगी

क्योंकि जिससे खुदावन्द मुहब्बत करता है उसे तम्बीह भी करता है (इब्रानियों १२।६ पृ० ३२७)

(११०) सांसारिक समृद्धि और देन नेकी का फल है

खुदावन्द की सताइश करो, मुबारक वह आदमी है. जो खुदावन्द से खौफ़ रखता है, और उसके १ फ़र्मानों से निहायत ख़ुश है.........उसके घर में माल और दौलत होगी और उसकी सदाक़त अबद तक कायम है (जबूर ११२।१।३ पृ० ७४४)

(जबूर ३७।२५ पृ० ६६६)

सांसारिक समृद्धि अभिशाप है

मुबारक हो तुम जो गरीब हो (लूका ६।२० पृ० ६८)

और फिर तुमसे कहता हूँ कि ऊंट का सुई के नाके से निकल जाना इससे आसान है कि दौलतमन्द खुदा की बादशाहत में दाखिल हो (मती १९।२४ पृ० ३१) (मती ६।१६।२१ पृ० ८)

(१११) रूह का फल मुहब्बत और मिहरबानी है

मगर रूह का फल मुहब्बत, खुशी, इतमीनान, तहम्मुल, मिहरबानी, नेकी, ईमानदारी है (गलतियों ५।२२ पृ० २७२)

उपर्युक्त से विपरीत

खुदावन्द की रूह उस पर नाज़िल हुई और वे रस्से, जिनसे उसके बाज़ू बंधे थे ऐसे हो गए जैसे सन जो आग से जल जाए और उसके हाथों पर की बन्दें खुल गई उस वक्त उसने एक गधे के जबरे को नाई हद्दी पाई और अपना हाथ बढ़ा के उसे लिया और उससे उसने एक हज़ार आदमी को मारा (क़ाज़ियों १५। १४।१५ पृ० ३३०)

(११२) दुष्ट लोग समृद्धि और लम्बी आयु का आनन्द उठाते हैं

शरीर क्योंकर जीते रहते हैं, उम्र दराज़ भी होते, और जोर में भरते जाते हैं उनके देखते हुए उनके फ़र्जन्द उनके साथ बर क़रार होते हैं और उनकी नस्ल उनकी आंखों के सामने उनके घर सलामत रहते हैं और वे खौफ़ हैं (अयूब २१।७।८।६ पृ० ६७५)

(और एक रास्तकार है जो अपनी रास्तकारी में मरता है) और एक बदकार है जो अपनी बदकारी में उम्र दराज़ होता है (वाइज ७।१५ पृ० ८०२)

खबीस लोग अपनी राह में क्यूं कामयाब होते हैं ? वे सब क्यों चैन से रहते हैं जो बर्मला बेवफ़ाई से चलते (यरेनिया १२ ।१ पृ० ८६५)

कि मैं नादान घमंडियों पर हसद करता था जब कि मैंने शरीरों की कामयाबी देखी। और आदमियों की तरह उन पर विपत नहीं पड़ती और न और लोगों की तरह उन पर आफ़त आती। देखो यह शरीर जो सदा इकबालमन्द रहते हैं, वे अपनी दौलत बढ़ाते जाते हैं (अम्साल ७३, ३।५।१२ प० ७०७)

समृद्धि और लम्बी आयु बदमाशों की नहीं होगी

हां शरीर का चिराग़ ज़रूर बुझाया जाएगा। और हलाकत उसके पास मुस्तैद रहेगी। वह उजाले से अन्धेरे में ढकेला जाएगा और दुनियां में से रगेदा जाएगा। उसका न बेटा, न भतीजा उसके लोगों में होगा, और उसके मकानों में कोई बाक़ी न रहेगा (अयूब १८, ५।१२।१८-१९ पृ० ६५२)

लेकिन गुनाहगार का भला कभी न होगा और न वह अपने दिनों को साया की मानिन्द बढ़ाएगा, इसलिए कि वह खुदा के हुजूर डरता नहीं (वाइज ८-१३ पृ० ८०३)

खूनी और दग़ाबाज लोग अपनी आधी उम्र तक न पहुँचेंगे (जबूर ५५।२३ पृ० ७०६)

पर शरीरों की ज़िन्दगी घटाई जाती है (अम्साल १०।२७ प० ७७४)

(फिर जो वे दिल में बेदीन हैं) उनकी जान जवानी में जाती है (अयूब ३६।१४ पृ० ६६८)

(११३) निर्धनता ईश्वर की देन है

मुबारक हो जो तुम ग़रीब हो……मगर अफ़सोस तुम पर जो दौलतमन्द हो (लूक़ा ६।२०-२४ पृ० ६२)

ऐ मेरे प्यारे भाइयो, सुनो, क्या खुदा ने इस जहान के ग़रीबों को ईमान में दौलतमन्द और उस बादशाहत का वारिस होने के लिए बर्गुज़ीदा नहीं किया (याकूब २।५ प० ३३१)

धन ईश्वर की देन है

मालदार आदमी की दौलत उसका हसीन शहर है, कंगालों की हलाकत उनकी तंग दस्ती है (अम्साल १०।१५ प० ७७४)

न निर्धनता न धन ईश्वर की देन है

और मुझको न कंगाल कर न दौलतमन्द पर मेरे हाल के लायक़ मुझे खुराक दे। ता न होवे कि मैं सैर हो जाऊं और इन्कार करके कहूँ कि खुदावन्द कौन है ? या मोहताज होके चोरी करूं और अपने खुदा का नाम नाहक़ लूं (अम्साल ३०।८-९ पृ० ७६४)

(११४) बुद्धि प्रसन्नता का स्रोत है

क्या ही मुबारिक है वह इन्सान जिसने दानाई को पाया है और वह आदमी जिसने अक्लमन्दी को हासिल किया। उसकी राहें खुशी की राहें हैं और उसकी सारी रविशें सलामती की है

(अम्साल ३।१३-१७ पृ० ७६७)

बुद्धि शोक और क्लेश का कारण है

लेकिन जब मैंने हिकमत के जानने को और हिमाक़त और जहालत के समझने को दिल लगाया तो मालुम किया कि यह भी हवा पर चढ़ना है।

क्योंकि बहुत हिकमत में बहुत दिक्क़त है और जिसका इर्फ़ान फ़र्वान होता है उसका दुःख ज्यादा होता। (वाइज़ १। १७-१८ पृ० ७६७)

(११५) नेक नाम ईश्वर की देन है

नेकनामी बहुमूल्य इत्र से भी बिहतर है (वाइज ७।१ पृ० ८०२)

नेकनाम बेक़यास खजाने से ज्यादातर पसन्द किया जावे।

(अम्साल २२।१ प० ७८६)

नेक नाम अभिशाप है

अफ़सोस तुम पर जब सब लोग तुम्हें भला कहें।

(लूका ६।२६ पृ० ६२)

११६. सुधार का डंडा मूर्खता की औषधि हैं

जहालत लड़के के दिल से वाबस्ता है, पर तरबियत की छड़ी उसे उसमें से दूर कर देगी (अम्साल २:।१५ पृ० ७८६)

मूर्खता को कोई औषधि नहीं है

अगरचे तू अहमक़ को पिसे हुए गेहूँ के साथ ओखली में डालके मूसल से कूटे पर उसकी हिमाक़त उससे कभी दूर न होगी। (अम्साल २७।२२। पृ० ७६७)

११७. परीक्षा वांछनीय है

अली मेरे भाइयो, जब तुम तरह-तरह की आज़माइशों में पड़ो तो इसको यह जानकर कमाल खुशी की बात समझना।

(याक़ूब १।२-३ पृ० ३३०)

परीक्षा अवांछनीय है

और हमें आज़माइश में न ला। (मती ६।१३ पृ० ८)

११८. पेशीनगोई यक़ीनी है

और हमारे पास नबियों का वह कलाम है जो ज्यादा मौतबर ठहरा और तुम अच्छा करते हो, जो यह समझ कर उस पर ग़ौर करते हो, कि वह एक चिराग़ है, जो अन्धेरी जगह पर रोशनी बख्शता है। (२ पतरस १।१६। पृ० ३४१)

पेशीनगोई यक़ीनी नहीं

अगर किसी वक्त मैं किसी क़ौम और किसी बादशाहत के हक़ में कहूँ, कि उसे उखाड़ूं और तोड़ डालूं, और वीरान करूं,

अगर वह क़ौम, जिसके हक़ में मैंने यह कहा, अपनी बुराई से बाज़ आवे, तो मैं भी उस बदी से पछताऊंगा जो उसके साथ करना ठहराया था।

और फिर अगर मैं किसी क़ौम और किसी बादशाहत की बाबत कहूँ, कि उसे बनाऊं और लगाऊं, और वह उसे, जो मेरी नज़र में बुरा है, करे, और मेरी आवाज़ को न सुने, तो मैं भी उस नेकी से पछताऊंगा जो उसके साथ करने को कहा था।
(यरेनिया १८।७ से १० पृ० ६०३)

अम्बिया आयन्दे की झूंठी ख़बरें देते हैं, और काहिन उनके वसीले हुक्मरानी करते हैं। (यरेनिया ५।३१ पृ० ८८७)
और नबी से काहिन तक हरेक झूठा मामला करता है।
(यरेनिया ६।१३ पृ० ८८७)

१२०. मनुष्य की आयु १२० वर्ष की होनी थी

उसके दिन एक सौ बीस वर्ष होंगे। (पैदाइश ६।३ पृ० १०)

मनुष्य की आयु केवल ७० वर्ष है

हमारी ज़िन्दगी के दिन सत्तर वर्ष हैं।
(ज़बूर ९०।१० पृ० ७३०)

१२१. चमत्कार ईश्वर से भेजे हुए मनुष्य का प्रमाण है

और युहन्ना ने क़ैदख़ाने में मसीह के कामों का हाल सुनकर, अपने शागिर्दों की मार्फ़त उससे पुछवा भेजा, कि आने वाला तू ही है, या हम दूसरे की राह देखें ? यीशु ने जवाब में उनसे कहा, कि जो तुम सुनते और देखते हो, जाकर युहन्ना से बयान कर दो, कि अन्धे देखते, और लंगड़े चलते-फिरते हैं। कोढ़ी पाक-साफ़ किये जाते हैं, और बहरे सुनते हैं, और मुर्दे ज़िन्दा किए जाते हैं। (मत्ती ११।२ से ५ पृ० १६)

ऐ रब्बे हम जानते हैं कि तू खुदा की तरफ़ से उस्ताद होकर आया है, क्योंकि जो मौजज़े तू दिखाता है, कोई शख्स नहीं दिखा सकता जब तक खुदा उसके साथ न हो।

(युहन्ना ३।२ पृ० १३४)

और इसराईलियों ने बड़ी कुदरत, जो खुदावन्द ने मिस्रियों पर जाहिर की देखी : और लोग खुदावन्द से डरे : तब खुदावन्द पर, और उसके बन्दे मूसा पर, ईमान लाए।

(खुरूज १४।३१ पृ० ६०)

चमत्कार ईश्वर की ओर से भेजे हुए का प्रमाण नहीं

हारून ने अपना आसा फ़िरऊन और उसके खादिमों के आगे फेंका, और वह सांप हो गया। तब फ़िरऊन ने भी दानाओं और जादूगरों को तलब किया : चुनाचे मिस्र के जादूगरों ने भी अपने जादुओं से ऐसा ही किया। कि उनमें से हरेक ने अपना २ आसा फेंका और वह सांप हो गया। (खुरूज ७।१० से १२ पृ० ७६)

अगर तुम्हारे दर्म्यान कोई नबी या ख्वाब देखने वाला जाहिर हो, और तुम्हें कोई निशान या मौजज़ा दिखाए, और उस निशान या मौजज़े के मुताबिक़, जो उसने तुम्हें दिखाया, बात वाके हो, और वह तुम्हें कहे, आओ, हम गैरमाबूदों की, जिन्हें तुमने नहीं जाना, पैरवी करें और उनकी बन्दगी करें : तू हर्गिज़ उस नबी या ख्वाब देखने वाले की बात पर कान मत धरियो। (खुरूज १३।१ से ३ पृ० ९४४)

१२३. मूसा बड़ा नर्म मनुष्य था

पर वह मर्द मूसा सारे लोगों से जो रूए ज़मीन पर था ज्यादा हलीम था। (गिन्ती १२।३ पृ० १८८)

मूसा बड़ा क्रूर मनुष्य था

और उनको कहा कि क्या तुमने सब औरतों को जीता

रखा ?……सो तुम उन बच्चों को जितने लड़के हैं सबको क़त्ल करो और हर एक औरत को, जो मर्द की सोहबत से वाक़िफ़ थीं जान से मारो। (गिन्ती ३१।१५ व १७ पृ० २१५ व २१६)

१२४. इलीजा आसमान को उड़ गया

और इलिया बबूले में होके आसमान में जाता रहा।

(२ सलातीन २।११)

यीशू के अतिरिक्त आसमान पर कोई नहीं चढ़ा

और आसमान पर कोई नहीं चढ़ा सिवा उसके जो आसमान से उतरा यानि इब्नेआदम। (युहन्ना ३।१३ पृ० १३४)

१२५. सारी धर्म पुस्तक ईश्वर प्रेरित हैं

हरेक सहीफ़ा खुदा के इल्हाम से है।

(२ तिमुथियस ३।१६ पृ० ३०१)

धर्म पुस्तक का कुछ भाग ईश्वर प्रेरित नहीं है

जो कुछ मैं कहता हूँ वह खुदा के तौर पर नहीं।

(२ कुरन्थियों ११।१७ पृ० २६७)

लेकिन यह मैं इजाजत के तौर पर कहता हूँ, न हुक्म के तौर पर……बाक़ियों से मैं ही कहता हूँ न कि खुदावन्द।

(१ कुरन्थियों ७।६ व १२ पृ० २४४)

उर्दू	हिन्दी	अंग्रेजी
	ओल्ड टैस्टामेंट	
पैदाइश	उत्पत्ति	Genesis
खुरूज	निर्गमन	Exodus
अहबार	लैव्यव्यवस्था	Leviticus
गिन्ती	गिन्ती	Numbers
इस्तिस्ना	व्यवस्था विवरण	Deuteronomy
याशुआ	यहूशू	Joshua
काज़ियों	न्यायियो	Judges
रूत	रूथ	Ruth
१ सेमुअल	१ सेमुअल	1 Samuel
२ सेमुअल	२ सेमुअल	2 Samuel
१ सलातीन	१ राजा	1 Kings
२ सलातीन	२ राजा	2 Kings
१ तवारीख	१ इतिहास	8 Chronicles
२ तवारीख	२ इतिहास	2 Chronicles
अज़रा	एज्रा	Ezra
नेहमिया	नेहमिया	Nehemiah
आस्तर	एस्तर	Esther
अयूब	अय्यूब	Job
ज़बूर	भजन संहिता	Psalms
अम्साल	नीति वचन	Proverbs
वाइअ	समोपदेशक	Ecclesiastes

उर्दू	हिन्दी	अंग्रेजी
ग़ज़लात	श्रेष्ठगती	Song of Solomn
यसायाह	यसायाह	Isaih
यरेमिया	यरमियाह	Jeremiah
यरेनियाके नौहा	विलाप गीत	Lamentations of Jeremiah
हेजेकियल	य्हेजेकेल	Ezekiel
डेनियल	दानियल	Daniel
हूसिया	होश	Hosea
यूएल	युएल	Joel
अमूस	आमूस	Amos
अबेदिया	ओबद्याह	Obadiah
यूना	योना	Jonah
मिका	मीका	Micah
नहूम	नहूम	Nahum
हबकुक	हबक्कुक	Habakkuk
सफ़ानिया	सपन्याह	Zephaniah
हाजी	हाग्गै	Haggai
ज़करिया	ज़कर्याह	Zeehariah
मलाकी	मलाकी	Malachi

(New Testament)

न्यू टैस्टामेंट

मत्ती	मत्ती	St. Matthew

उर्दू	हिन्दी	अंग्रेजी
मरक़ूस	मरकुस	St. Mark
लूक़ा	लूका	St. Luke
युहन्ना	यूहन्ना	St. John
आमाल	प्रेरितों के कामों का बखान	Acts of Apostles
रोमियों	रोमियों	Apistle to the Romans
१ कुरन्थियों	कुरंथियोंके नाम पत्र १	Corinthians 1
२ कुरन्थियों	कुरंथियोंके नाम पत्र २	Corinthians 2
ग़लतियों	ग़लतियों	Epistle to the Galatians
इफ़िसियन	इफ़िसियों	,, ,, ,, Ephesians
फ़िलिपियों	फ़िलिप्पियों	,, ,, ,, Philippians
क़ुलुसियों	कुलुस्सियों	,, ,, ,, Colossians
१ थिसलुनिकियों	थिस्सलुनीकियों १	First ,, ,, ,, Thessalonians
२ थिसलुनिकियों	थिस्सलुनीकियों २	Second ,, ,, ,, Thessalonians
१ तिमुथियस	तिमुथियुस १	First ,, ,, ,, Timothy
२ तिमुथियस	तिमुथियुस २	Second ,, ,, ,, Timothy

उर्दू	हिन्दी	अंग्रेजी
टिटस	तितुस	Epistle to Titus
फ़िलेमों	फ़िलेमोन	,, ,, Philemon
इब्रानियों	इब्रानियोंके नाम पत्री	,, ,, Hebrews
याक़ूब	याकूब	Epistle of James
१ पतरस	पतरस की पहली पत्री	First ,, ,, Peter
२ पतरस	पतरस की दूसरी पत्री	Second ,, ,, Peter
१ युहन्ना	युहन्ना की पहली पत्री	First ,, ,, John
२ युहन्ना	युहन्ना की दूसरी पत्री	Second ,, ,, John
३ युहन्ना	युहन्ना की तीसरी पत्री	Third ,, ,, John
यहूद	यहूदा की पत्री	Epistle of Jude
मुरक़ाश्फ़ा	युहन्ना का प्रकाशित वाक्य	Rev. of St. John the Divine

आर्य जगत के वि

पूज्य श्री पं० रामच

आर्योपदेशक

१. इंजील के परस्पर विरो...

इसे भारी संख्या में ...कर घ

२५ प्रति लेने पर ... मूल्य ...

श्री पंडित जी की अब दूसरी

२. दो सनातन सत्ताएं

दूसरी वार छप रही है। बड़ी ही उत्तम पुस्तक, अभी से आर्डर भेजें।

३. प्रजा पालन (मूल्य तीन पैसा, सैंकड़ा ३॥)

इसमें महर्षि दयानन्द के वे चार पत्र हैं जो महर्षि ने महाराणा उदयपुर तथा महाराजा जोधपुर को लिखे थे। महर्षि के चार पत्रों में राजनीति का निचोड़ है।

४. दैनिक यज्ञ प्रकाश मू० ‐) सैं० ५)

आर्य जगत् में यह इतनी प्रिय हुई कि साठ हजार छप गई।

५. महर्षि दयानन्द सरस्वती मू० ॥=)

६. सत्यार्थप्रकाश मू० ॥।≡) ७. संस्कार विधि मू० ॥।‐)

८. व्यवहार भानु मू० =) ९. आर्याभिविनय मू० ।)

१०. विदुर प्रजागर मू० १) ११. नारद नीति मू० ।)

१२. कणिक नीति मू० ≡) १३. किसकी सेना में ।)

मिलने का पता:—

सार्वदेशिक प्रेस पटौदी हाउस दरियागंज, दिल्ली